प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-30 | मथुरा, शुक्रवार, 27 मार्च 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

कालाबाजारी और पानी वाले सिलेंडर का खुलासा

3000 रुपये तक ब्लैक में बिक रहा सिलेंडर,जनता परेशान

यूनिक समय, कोसीकलां/मथुरा। क्षेत्र में घरेलू गैस सिलेंडरों की किल्लत के बीच कालाबाजारी का खेल तेज हो गया है। गैस एजेंसियों पर सीमित आपूर्ति के चलते जहां उपभोक्ता परेशान हैं, वहीं ब्लैक मार्केट में सिलेंडर 3000 रुपये तक में बेचे जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। इन दिनों घरेलू गैस सिलेंडरों की भारी कमी देखी जा रही है। गैस एजेंसियों द्वारा सीमित उपलब्धता बताई जा रही है, जिससे उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहा। इस स्थिति का फायदा उठाकर कुछ लोग खुलेआम कालाबाजारी कर रहे हैं । स्थानीय लोगों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और आपूर्ति प्रभावित होने के कारण यह किल्लत बढ़ी है, लेकिन इसका सीधा

असर आम जनता पर पड़ रहा है। जरूरतमंद उपभोक्ता मजबूरी में महंगे दामों पर सिलेंडर खरीदने को विवश हैं। इसी बीच सैनी मोहल्ला से गैस सिलेंडर की गुणवत्ता को लेकर भी गंभीर मामला सामने आया है। एक उपभोक्ता ने आरोप लगाया कि उसने 15 मार्च को नया सिलेंडर लिया था, लेकिन मात्र 10 दिन में ही गैस समाप्त हो गई। जांच करने पर सिलेंडर से पानी निकलने की बात सामने आई, जिससे उपभोक्ता हैरान रह गया। पीड़ित ने संबंधित गैस एजेंसी से

आपूर्ति में कमी का फायदा उठा रहे कालाबाजारी

घटिया गुणवत्ता की भी बढ़ीं शिकायतें

शिकायत करने की बात कही है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि एक ओर कालाबाजारी चरम पर है, वहीं दूसरी ओर सिलेंडरों की गुणवत्ता भी संदेह के घेरे में है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी पर तत्काल रोक लगाई जाए, पूरे मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाने की मांग की है।

सिपाही ने ट्रेन से गिरने वाले व्यक्ति की बचाई जान

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या तीन पर मेवाड़ सुपर फासट एक्सप्रेस के चलने के दौरान एक व्यक्ति प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच गिर गया। ड्यूटी पर तैनात रेलवे सुरक्षा बल के जवान ने अपनी जान की परवाह किए बैगर उसे खींच कर जान बचाई। इसे देख प्लेटफॉर्म पर मौजूद लोगों और उस व्यक्ति ने जवान का धन्यवाद किया। रेलवे सुरक्षा बल में

मथुरा जंक्शन पर तैनात कांस्टेबल विजय सिंह प्लेट फार्म संख्या तीन पर ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान प्लेटफॉर्म पर आई ट्रेन नंबर 12963 मेवाड़ सुपर फास्ट एक्सप्रेस को विजय सिंह सीटी बजाकर कुशलता पूर्वक पास करा रहे थे।

इसी दौरान ट्रेन में चढ़ने के दौरान एक व्यक्ति निचे गिर गया। उस व्यक्ति का आधा शरीर ट्रेन और प्लेट फार्म के बीच था। विजय सिंह ने तुरंत दौड़कर उस व्यक्ति के हाथ पकड़ कर उसे खींचा, इसी बीच एक अन्य व्यक्ति ने भी इस में उसकी सहायता की। इस तरह सिपाही ने अपनी जान की परवाह किए बगैर ट्रेन से कटने वाले व्यक्ति की जान बचाई। सिपाही की इस बहादुरी को देख कर लोगों ने उसकी बहुत तारीफ की। दुर्घटना का शिकार होने से बचे व्यक्ति ने सिपाही को धन्यवाद किया और अपना बिना नाम बताए वहां से चला गया।

डीएम चंद्र प्रकाश सिंह का निरीक्षण बना प्रेरणा

झाड़ू लगाकर दिया सेवा का उदाहरण

गौ–आश्रय स्थल में गौ पूजन करते डीएम सीपी सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। श्री राम नवमी के पावन अवसर पर जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने राल स्थित ब्रह्मऋषि श्री देवरहा बाबा गौ–आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विधि–विधान और मंत्रोच्चारण के साथ गौ–पूजन किया तथा गौवंश को गुड़ और हरा चारा खिलाया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गौशाला परिसर में संचालित गौधाम गुरुकुल (स्कूल) के बच्चों को मिष्ठान वितरित किया। गुरुकुल में छात्र–छात्राएं से बात कर कक्षाओं का निरीक्षण किया और बच्चों द्वारा बनाए गए शिल्प व हस्तकला कार्यों को देखा और उनकी पढ़ाई व भोजन व्यवस्था की जानकारी ली। डीएम और अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) डॉ. पंकज कुमार वर्मा ने गौशाला परिसर में श्रमदान करते हुए स्वयं झाड़ू लगाकर साफ–सफाई की। जिलाधिकारी

राम नवमी पर डीएम ने किया गौ–आश्रय स्थल का निरीक्षण

गौ–पूजन कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा,बच्चों को मिष्ठान वितरित किया

ने बताया कि इस गौ–आश्रय स्थल में करीब 8600 गौवंश संरक्षित हैं। 136 एकड़ क्षेत्र में फैली इस गौशाला में 27 शेड बनाए गए हैं।

उन्होंने गौ–उत्पाद केंद्र का भी निरीक्षण किया, जहां गोबर और गौमूत्र से बने साबुन, फेसवॉश, दीपक, फिनायल, घी और धूपबत्ती जैसे उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन उत्पादों का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाए और केंद्र पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री भी तैयार कराई जाए।

बहस | प्यार और सख्ती के बीच फंसे रिश्तों की सच्चाई

बचपन की सख्ती और प्यार की कमी से रिश्तों में दरार

विशेष संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। बचपन में "डर से अनुशासन" और "प्यार से परवरिश" के बीच की बहस एक बार फिर चर्चा में है, लेकिन इस बार कहानी थोड़ी व्यंग्यात्मक मोड़ ले लेती है। विशेषज्ञों का कहना है कि जो प्यार बचपन में नहीं मिला, उसकी भरपाई बुढ़ापे में "सॉरी" और "पछतावे" से भी नहीं हो पाती। मथुरा की कल्पना की कहानी इस सोच का जीवंत उदाहरण है। उनकी मां मानती थीं कि बच्चों को ज्यादा प्यार देने से वे बिगड़ जाते हैं, इसलिए उन्होंने कल्पना को "डिसिप्लिन का डोज" इतना पिलाया कि मुस्कान भी समय देखकर आती थी। अच्छे स्कूल, महंगे कपड़े, म्यूजिक क्लास–सब मिला, लेकिन गले लगाने या दो मीठे शब्दों की जगह हमेशा "ऐसे नहीं, वैसे बैठो" का पाठ चलता रहा। कल्पना अब खुद मां बन चुकी हैं और अपनी बेटी के साथ दोस्त जैसी जिंदगी जी रही हैं–जहां होमवर्क के साथ हंसी–मजाक भी चलता है।

इधर उनकी मां अब अपने पुराने फैसलों की फाइल बार–बार खोल रही हैं और हर पन्ने पर "काश थोड़ा नरम हो जाती" लिखती नजर आती हैं। दिलचस्प बात यह है कि जब कल्पना अपनी बेटी के साथ शॉपिंग पर जाकर बिना टाइम टेबल के आइसक्रीम खा लेती हैं, तो उनकी मां को वह "अनुशासन का अपमान" लगता है, लेकिन अब वह सिर्फ देख सकती हैं। यही देखकर वे खुद से पूछती हैं– "क्या हमने प्यार कम और नियम ज्यादा परोस दिए?"

विशेषज्ञों का कहना है कि अनुशासन जरूरी है, लेकिन अगर उसमें भावनात्मक गर्माहट न हो तो रिश्ता धीरे–धीरे "रिमोट कंट्रोल पेरेंटिंग" बन जाता है–जहां आदेश तो होते हैं, लेकिन अपनापन गायब हो जाता है। यूनिसेफ जैसी संस्थाओं की रिपोर्ट भी संकेत देती है कि नरम व्यवहार और संवाद बच्चों को ज्यादा आत्मविश्वासी बनाते हैं, जबकि अत्यधिक सख्ती उन्हें भावनात्मक रूप से दूर कर सकती है। कल्पना की मां अब कोशिश करती हैं कि पुराने समय की भरपाई करें,

माता–पिता की सोच पर उठे नए सवाल

बचपन की गलतियां बुढ़ापे में बनती पछतावा

प्यार बनाम अनुशासन पर फिर छिड़ी बहस

लेकिन कल्पना मुस्कराकर कहती हैं– "मां, अपडेट अब डाउनलोड हो चुका है, पुराना वर्जन अनइंस्टॉल हो गया है।"

यह कहानी केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि उस सोच की है जिसमें माता–पिता अक्सर यह भूल जाते हैं कि बच्चे "फैक्ट्री प्रोडक्ट" नहीं होते, जिन्हें सिर्फ नियमों से सेट किया जाए। प्यार, बातचीत और अपनापन वह सॉफ्टवेयर है जो रिश्तों को लंबे समय तक चलाता है–वरना सिस्टम तो चलता रहता है, लेकिन कनेक्शन अक्सर "नो नेटवर्क" दिखाता है।

डीएम के आदेश पर की गई कार्रवाई

गैंगस्टर एक्ट में दो गैंगस्टरों की चल संपत्ति की गई कुर्क

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित दो अपराधियों की चल संपत्ति को जिला अधिकारी के आदेश पर कुर्क किया गया है। पुलिस ने दोनों गैंगस्टरों की 86 हजार रुपये की चल संपत्ति कुर्क की गई। थाना प्रभारी गोवर्धन भगवत सिंह गूर्जर ने बताया कि गैंगस्टर आजम पुत्र दीनू व अंजुम पुत्र कम्मू निवासी देवसरस के खिलाफ 14(1) गिरोह बंद एवं असामाजिक क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 के तहत गैंगस्टर एक्ट में थाना गोवर्धन में मुकदमा दर्ज है। जिलाधिकारी द्वारा इन दोनों गैंगस्टरों की चल संपत्ति कुर्क करने के आदेश दिए गए। जिलाधिकारी के आदेश पर कुर्की की कार्रवाई की गई। गांव में इसके लिए ढोल पीटवा कर पूरे गांव में मुनादी

दोनों से 86 हजार की चल संपत्ति हुई बरामद

कराई गई। इसके बाद गवाहों के सामने कुर्क की गई संपत्ति के बारे माइक से लोगों के सामने कुर्क की गई संपत्ति का अनाउंसमेंट किया गया। पुलिस ने विधिक कार्रवाई करते हुए आजम की मोटरसाइकिल जिसकी कीमत 30 हजार है उसे कुर्क कर लिया। वहीं पुलिस ने अंजुम से भी 56 हजार 300 रुपये कीमत की बाइक कुर्क की। इस तरह दोनों अभियुक्तों से 56 हजार 300 रुपये की चल संपत्ति को कुर्क किया गया। कुर्की करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक के अलावा अतिरिक्त निरीक्षक शिव कुमार, उपनिरीक्षक चौधरी सत्येंद्र सिंह व पुलिस टीम शामिल है।

राम जन्मोत्सव बना भक्ति का अनुपम उत्सव

द्वारकाधीश मंदिर में हुआ पंचामृत अभिषेक, राम रूप में सजे ठाकुर जी

श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर श्रीराम जन्मोत्सव की भव्य धूम

ठाकुर केशव देव जी ने दिए राम रूप में दर्शन

घीयामंडी रामचंद्र मंदिर पर राम जी का अभिषेक करते पुजारी। श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर श्री राम जी विग्रह का दुग्धाभिषेक करते गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी एवं अन्य सेवायत।

यूनिक समय, मथुरा। चैत्र शुक्ल राम नवमी के पावन अवसर पर 27 मार्च को श्रीकृष्ण जन्मस्थान स्थित भागवत भवन में श्रीराम जन्म महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ भव्य रूप से मनाया गया। इस अवसर पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर पूरी तरह भक्ति रस में सराबोर नजर आया।

श्रीराम मंदिर में वर्ष प्रतिपदा से चल रहे नौ दिवसीय श्रीरामचरित मानस के नवान्ह पारायण पाठ का समापन भी इसी दिन हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने स्वर मिलाकर श्रीराम जन्म पर बधाई गीतों का गायन किया। सुबह गणपति स्थापना, सोलह मातृका पूजन, नवग्रह पूजा और गर्भ स्तुति के साथ श्रीराम प्राकट्य महोत्सव का शुभारंभ हुआ। दोपहर 12 बजे संस्थान प्रबंधन समिति के सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी और डॉ. रोशन लाल ने नवस्थापित श्रीराम की रजत प्रतिमा का दूध, दही, घी, शहद एवं दिव्य औषधियों से विधिवत अभिषेक किया। इसके पश्चात पुष्पांजलि और शंख–घंटा ध्वनि के बीच वातावरण भक्तिमय हो उठा। भजन, मृदंग और झांझ की धुन पर श्रद्धालु नृत्य करते नजर आए। पूरे मंदिर परिसर को आकर्षक पुष्प सज्जा, दिव्य वस्त्रों और आभूषणों

ठाकुर केशव देव महाराज।

से सजाया गया था। श्रीराम, लक्ष्मण और माता जानकी की भव्य प्रतिमाओं के दर्शन कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। भक्तों को प्रसाद एवं पंचामृत का वितरण किया गया। विशेष आकर्षण यह रहा कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर भगवान केशवदेवजी महाराज के श्रीविग्रह को श्रीराम स्वरूप में सजाकर दर्शन कराए गए, जिससे श्रद्धालु अत्यंत आनंदित हुए। संस्थान के अधिकारी, पूजाचार्य और कर्मचारी पूरी व्यवस्था में सक्रिय रहे। रामनवमी के पावन अवसर पर पुष्टिमार्गीय संप्रदाय के प्रसिद्ध ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में प्रभु का भव्य पंचामृत अभिषेक

रामनवमी पर द्वारकाधीश मंदिर में पंचामृत अभिषेक करते सेवायत।

किया गया। मंदिर के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रातः काल ठाकुर द्वारकाधीश जी महाराज का अभिषेक रामजन्म उत्सव के रूप में विधिविधान से संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि ब्रजमंडल जहां भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं के लिए प्रसिद्ध है, वहीं प्रभु श्रीराम के प्रति भी गहरी आस्था और श्रद्धा का भाव विद्यमान है। इसी भाव को दर्शाते हुए मंदिर में आज ठाकुर जी का विशेष श्रृंगार भगवान श्रीराम के स्वरूप में किया गया, जिसे देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। साथ ही गौस्वामी तुलसीदास से जुड़ी प्रसंग का भी स्मरण किया गया। मान्यता है कि जब तुलसीदास जी ब्रज आए और उन्हें श्रीराम के दर्शन नहीं हुए, तो उन्होंने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा– कहां कहूँ छवि आपकी, भले बने हो नाथ। तुलसी मस्तक तब नवै, धनुष–बाण लेहु हाथ।। तुलसीदास की इस प्रार्थना से प्रसन्न होकर भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें श्रीराम के रूप में दर्शन दिए मुरली मुकुट दुराय कै, धरयो धनुष कर नाथ। तुलसी लखि रुचि दास की, कृष्ण भए रघुनाथ।। इसी परंपरा और भक्तिभाव के अनुरूप रामनवमी के अवसर पर द्वारकाधीश मंदिर में यह अलौकिक श्रृंगार किया गया, जिसका दर्शन कर श्रद्धालु भक्तों ने पुण्य लाभ अर्जित किया। प्राचीन मंदिर ठाकुर श्री केशव देव जी महाराज में राम जन्म उत्सव के पावन अवसर पर भव्य धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। प्रातःकाल भगवान का पंचामृत अभिषेक सेवायत बिट्ठू गोस्वामी, बिहारी लाल गोस्वामी, जगदीश गोस्वामी, गिरिराज शरण गोस्वामी एवं मुन्नीलाल गोस्वामी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधिवत किया गया। अभिषेक के उपरांत ठाकुर जी को नवीन पोशाक धारण कराकर भगवान राम के स्वरूप में आकर्षक श्रृंगार किया गया। उन्हें धनुष–बाण धारण कराए गए तथा मंदिर परिसर में भव्य फूल बंगला सजाया गया, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्री कृष्णा सामूहिक संकीर्तन मंडल के सदस्यों द्वारा मंगल बधाइयां गाई गईं, वहीं श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। इसके पश्चात भव्य आरती का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। इस अवसर पर कमेटी अध्यक्ष पंडित सोहनलाल शर्मा, नारायण प्रसाद शर्मा, मनमोहन अग्रवाल, महेश गोयल, मुकुट मणि शर्मा, पी.पी. शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

तापमान / मौसम

37 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

19 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,43,370

22 कैरेट 1,31,900

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,24,120 प्रति किलो

अड़ींग बाइपास पर चौराहा बने व स्पीड ब्रेकर लगाए जाएं

यूनिक समय, मथुरा। अड़ींग बाइपास पर होने वाली दुर्घटनाओं को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। स्थानीय लोगों ने यहां होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन से ट्रैफिक नियंत्रण और स्थाई सुरक्षा व्यवस्था की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अड़ींग बाइपास पर अक्सर तेज रफ्तार और अव्यवस्थित यातायात के चलते आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है। स्थानीय लोगों ने बाइपास पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन से प्लान बनाकर कार्रवाई करने की मांग की है। वेद प्रकाश, भोला पंडित, हुशियार सैनी, गब्बर सैनी, मोहन सिंह हरि सिंह आदि का कहना है कि बाइपास के दोनों ओर गौल चौराहा (सर्किल) और स्पीड ब्रेकर लगाए जाएं जिससे बाइपास पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

श्री दीर्घ विष्णु मंदिर में अभिषेक करते सेवायत।

श्री दीर्घ विष्णु मंदिर में रामनवमी महोत्सव हर्षोल्लास से संपन्न

यूनिक समय, मथुरा। ब्रजमंडल के प्राचीन श्री दीर्घ विष्णु मंदिर में रामनवमी महोत्सव पारंपरिक एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया गया। चैत्र शुक्ल नवमी पर प्रातः मंगला आरती के पश्चात शंख, घंटा एवं घड़ियाल की मधुर ध्वनियों के बीच वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ ठाकुर जी का पंचामृत अभिषेक किया गया। इस अवसर पर महंत कान्तानाथ चतुर्वेदी सहित मंदिर सेवा संस्थान के पदाधिकारी एवं सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

चामुंडा मैया दरबार में सजा फूल बंगला

यूनिक समय, मथुरा। चैत्र नवरात्रि के उपलक्ष्य में चामुण्डा मंदिर (मथुरा) में महाष्टमी के पावन अवसर पर भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दोपहर में मंदिर परिसर में पंचामृत अभिषेक, फूल बंगला एवं माता रानी का आकर्षक श्रृंगार किया गया। साथ ही श्रद्धापूर्वक मैया को छप्पन भोग अर्पित किया गया। मंदिर प्रांगण में आयोजित भजन संध्या और फूलों की होली ने माहौल को भक्तिमय बना दिया, जहां भक्तजन भक्ति रस में झूम उठे। मंदिर के श्री विष्णु चतुर्वेदी ने बताया कि चामुण्डा मैया की अपार महिमा है और यहां आने वाले सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इस दौरान श्रद्धालुओं ने मनमोहक झांकियों का आनंद लिया और पुण्य लाभ अर्जित किया। आयोजन में गोविन्द अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल सहित अनेक भक्तगण उपस्थित रहे।

हर्षित चौधरी ने जीता 400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक

यूनिक समय, फरह। हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के मैदान पर आयोजित वार्षिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता 'साधच्ची–2026' में छात्र हर्षित चौधरी ने अपनी टीम के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए 4.100 मीटर रिले रेस में स्वर्ण पदक हासिल किया। टीम ने बेहतरीन तालमेल, तेज गति और मजबूत समन्वय का प्रदर्शन कर प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर कॉलेज के शारीरिक शिक्षा निदेशक डॉ. राजेश कुमार कहरवार ने हर्षित चौधरी और उनकी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी मेहनत और अनुशासन का परिणाम है। वहीं हर्षित चौधरी ने कहा कि टीमवर्क और लगातार अभ्यास ने उन्हें यह उपलब्धि दिलाई। कार्यक्रम में कार्यवाहक निदेशक डॉ. हरेंद्र सिंह, डॉ. राजीव तिवारी, ममता रानी, डॉ. संदीप अहलावत, विजय कट्टा, दिनेश कुमार, डॉ. एम. वीणासिंह, रितेश चौहान, ललित बोल, रजत चतुर्वेदी, डॉ. मुक्ति रिछारिया, डॉ. विनोद कुशवाह, प्रदेश धाकड़, विपिन, राजेश कुमार शर्मा एवं साकेत विगरी सहित अनेक शिक्षक एवं अतिथि उपस्थित रहे। सभी ने विजेताओं को शुभकामनाएं दीं।

पुलिस कप्तान के हस्तक्षेप से व्यापारी मुक्त

एसएसपी को सम्मानित करते नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। विगत 20 मार्च को दिनदहाड़े सर्राफा व्यापारी पिता–पुत्र को पलवल पुलिस द्वारा कथित रूप से बंदूक की नोक पर दुकान से उठाकर ले जाने की घटना के विरोध में मथुरा के सर्राफा व्यापारियों ने बाजार बंद कर प्रदर्शन किया था। इस मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के हस्तक्षेप के बाद दोनों व्यापारियों को सकुशल मुक्त करा लिया गया। घटना के समाधान के बाद नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के महानगर महामंत्री शशिभानु गर्ग के नेतृत्व में व्यापारियों ने पुलिस कप्तान श्लोक कुमार का दुशाला, पटका व पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इस दौरान व्यापारियों ने मांग रखी कि किसी भी सर्राफा व्यापारी के खिलाफ

सर्राफा व्यापारियों ने किया सम्मान

कार्रवाई से पहले स्थानीय व्यापार मंडल को विश्वास में लिया जाए। पुलिस कप्तान ने इस मांग पर सहमति जताते हुए संबंधित दिशा–निर्देश जारी किए और पलवल पुलिस की कार्यशैली के संबंध में उच्च अधिकारियों से पत्राचार करने की बात कही। इस अवसर पर व्यापार मंडल के नगर उपाध्यक्ष रवि मास्टर सर्राफ, मंत्री गिरधारी शरण सर्राफ, युवा नगर अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल, मुकेश सर्राफ, रितेश सर्राफ आयुष मित्तल, अनुराग अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, अभिषेक वर्मा, लक्ष्य अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल आदि उपस्थित थे

आप और हम मित्र मंडल द्वारा मां भगवती का जगराता संपन्न

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज स्थित आनन्दपुरी में आप और हम मित्र मंडल द्वारा अष्टमी तिथि पर मां भगवती का भव्य जगराता आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मोनू म्यूजिकल ग्रुप द्वारा गणेश वंदना, शारदा वंदना और माता के भजनों की प्रस्तुति दी गई। "चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है" जैसे भजनों पर पूरा पांडाल भक्तिरस में झूम उठा। आयोजन में राधा–कृष्ण, भोलेनाथ–पार्वती, काली मां एवं दुर्गा शक्ति की आकर्षक झांकियों ने भक्तों का मन मोह लिया। मीडिया प्रभारी विकास खत्री ने बताया कि भक्तों के सहयोग से यह आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ और इसे हर वर्ष आयोजित करने की परंपरा जारी रखने की बात कही। कार्यक्रम में प्रमोद कुमार, अमरसिंह राजपूत, साध्वी मीरा गिरी, नीरु भाभी, शुशील गौतम, मोर मुकुट व्यास, बालकृष्ण, उदय ब्रजवासी, योगेश योगी, मिंटू गोला, राहुल कुमार, मुकेश गोला, हरिवंश, लक्की, विमला देवी, दिनेश चौधरी, ममता भाभी, योगेश चौरसिया, बिहारी राजपूत, पवन पांडेय, बेनी गोला, लाला सहित अन्य भक्तगण उपस्थित रहे। समारोह का समापन आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ किया गया।

बरसात ने बिगाड़ी रबी की फसल

जिले की मंडियों में नए गेहूं के दाम गिरे, किसान संकट में

मंडी में बिकने को तैयार गेहूं।

मंडी में सूखती सरसों।

यूनिक समय, मथुरा। जनपद की मंडियों में गुरुवार से रबी सीजन की नई फसल गेहूं और सरसों की आवक शुरू हो गई है। सीजन की शुरुआत में ही किसानों को झटका लगा है। मंडी में गीला गेहूं 2200 से 2300 रुपये प्रति क्विंटल और सूखा गेहूं करीब 2400 रुपये प्रति क्विंटल बिक रहा है। जबकि किसान इस बार बेहतर दाम मिलने की उम्मीद लगाए हुए थे। ऐसे में किसान अपनी फसल को रोकने के बजाय आढ़तियों के माध्यम से बेचने को मजबूर हैं। मंडी समिति सहित अन्य मंडियों में भी नई फसल की आवक से हलचल बढ़ गई है। गुरुवार सुबह से ही मंडी परिसर में किसानों और आढ़तियों की चहल-पहल देखने को मिली। आढ़तियों का कहना है कि हाल ही में हुई बारिश के कारण फसल की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। किसानों की खड़ी फसल भीग गई, जिससे अनाज में नमी बढ़ गई है। आढ़तिया रामजीलाल ने बताया कि नए गेहूं में हल्की नमी होने के कारण उसके भाव नीचे चल रहे हैं। बारिश से भीगकर अनाज को बाजार में कम कीमत पर ही बेचना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे मौसम साफ होगा और नई फसल सूखेगी, वैसे-वैसे दाम में सुधार आने की संभावना है। सौंख के किसान हरि किशन ने बताया कि में करीब 35 क्विंटल गेहूं लेकर मंडी पहुंचा हूं। इस बार फसल तो अच्छी थी, लेकिन बारिश ने सारी मेहनत पर पानी फेर दिया। कटाई के समय अचानक मौसम बदल गया और अनाज में नमी आ गई। अब व्यापारी उसी आधार पर कम भाव लगा रहे हैं। किसान क्या करें, फसल घर पर ज्यादा दिन नहीं रख सकते। किसान रामवीर सिंह का कहना है कि हम लोगों ने दिन-रात मेहनत करके फसल तैयार की थी। लेकिन बारिश होने से फसल भीग गई थी जिससे वजन तो बढ़ा लेकिन गुणवत्ता खराब हो गई। अब मंडी में कोई सही दाम देने को तैयार

किसान मजबूरी में कम रेटों में बेच रहे गेहूं

नहीं है। मजबूरी में कम रेट पर बेचना पड़ रहा है। किसान मोहन सिंह ने कहा कि सरकारी खरीद अभी शुरू नहीं हुई है और घर पर अनाज रखने की भी अपनी सीमाएं होती हैं। अगर ज्यादा देर तक रखेंगे तो खराब होने का डर रहता है। इसलिए आढ़तियों को ही बेचना पड़ रहा है, चाहे दाम कम ही क्यों न मिलें। बारिश के कारण गेहूं में नमी आ गई है, इसी वजह से व्यापारी भाव तोड़ रहे हैं। फरह के किसान सुरेश पाल ने बताया कि मौसम का अब कोई भरोसा नहीं रहा। कभी तेज धूप, कभी अचानक बारिश-इसी कारण किसान घबराकर जल्दी-जल्दी फसल काट रहा है। हमारी भी फसल पूरी तरह सूख नहीं पाई थी कि बारिश आ गई। अब डर यह है कि अगर फिर से बारिश हो गई तो और नुकसान होगा। छाता के किसान राजेश कुमार का कहना है कि किसान की मेहनत खेत में ही दिखाई देती है, लेकिन बाजार में उसका सही मूल्य नहीं मिल पाता। इस बार भी यही हुआ है। फसल ठीक-ठाक थी, लेकिन बारिश के कारण गेहूं में नमी आ गई जिसके कारण आढ़तिया कम रेटों में खरीद रहे है। बदलेव के किसान सोनू सिंह ने बताया कि हम लोगों को उम्मीद थी कि इस बार गेहूं अच्छे दाम पर बिकेगा, लेकिन मौसम ने सारी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। नमी के कारण व्यापारी बहाने बना रहे हैं और कीमत कम कर रहे हैं।

शहर में बंद पड़े मकान से लाखों की चोरी

चोरी का पता गृहस्वामी को घर लौटने पर लगा

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली क्षेत्र की चौकी बंगाली घाट स्थित कुआं गली में चोरों ने एक बंद पड़े मकान को निशाना बनाया। चोरों ने अलमारी के लॉकर को तोड़कर लाखों रुपये के जेवरात और नकदी आदि चोरी कर लिया। चोरी की वारदात का पता उस समय लगा जब कल रात मकान मालिक ने घर के अंदर प्रवेश किया। बताया गया कि कुआं गली निवासी अशोक चतुर्वेदी अपने मकान को बंद करने के बाद कहीं बाहर चले गए थे। गुरुवार की रात जब वह घर लौटे तो घर के अंदर का हाल देख उनके होश उड़ गए। कमरे में सामान बिखरा पड़ा था। इसके साथ ही अलमारी खुली थी लॉकर टूटा हुआ था। शहर की घनी आबादी में हुई चोरी की वारदात का पता लगने पर काफी संख्या में आस-पास के लोग जमा हो गए। पुलिस को भी इस बारे में बताया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। बताया गया कि घर के बाहर के दरवाजे का ताला लगा हुआ था। इसके बाद अंदर के कमरों के ताले टूटे हुए थे। घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पुलिस का अनुमान है कि चोर किसी और रास्ते से अंदर आए। गृहस्वामी अशोक चतुर्वेदी ने बताया कि चोरों ने घर में चार तोले के सोने और चांदी के जेवरात के अलावा नकदी और गहने चोरी कर लिए हैं। चोरी हुए सामान की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। पुलिस को घर में हुई चोरी की तहरीर दी गई है।

जिले में रबी फसलों की आवक शुरू, 88 खरीद केंद्र तैयार

30 मार्च से होगी सरकारी खरीद

गेंहू का 2585 रुपये प्रति क्विंटल तय समर्थन मूल्य

किसानों को आरटीजीएस से मिलेगा भुगतान

यूनिक समय, मथुरा। जनपद की सभी मंडियों में रबी सीजन की फसलों की आवक शुरू हो गई है। गेहूं, सरसों और जौ लेकर किसान मंडियों में पहुंच रहे हैं, लेकिन सरकारी खरीद 30 मार्च से शुरू होने के कारण किसान अभी इंतजार कर रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा रबी फसलों की खरीद के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। संबंधित अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में कुल 88 खरीद केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों पर किसानों से फसल की खरीद सरकार द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर की जाएगी। गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है, जिससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके। मंडी सचिव रेनू वर्मा ने बताया कि अगले तीन दिनों में सभी खरीद केंद्रों पर व्यवस्था पूरी तरह सक्रिय हो जाएगी और 30 मार्च से खरीद प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए मंडियों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, जैसे तौल, सफाई और भंडारण की सुविधा। भुगतान प्रक्रिया को भी पारदर्शी और सरल बनाया गया है। किसानों को उनकी फसल का भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में आरटीजीएस के माध्यम से किया जाएगा। इससे बिचौलियों की भूमिका खत्म होगी और किसानों को समय पर पूरा पैसा मिल सकेगा।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

घायल चालक ने कर्नाटक से आते समय रास्ते में तोड़ा दम

नौहझील पुलिस को सूचना दे शव को मोरचरी में रखा

यूनिक समय, मथुरा। थाना नौहझील के गांव मकरंद गढ़ी के रहने वाला एक ट्रक चालक कर्नाटक में हुई दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था। अस्पताल से गांव लाने के दौरान घायल ने मथुरा के आसपास दम तोड़ दिया। गांव मकरंद गढ़ी निवासी शौकीन (35) पुत्र सागर कर्नाटक में किसी कंपनी का ट्रक चला था। बताया गया कि शौकीन 23 मार्च को वहां हुई सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था। शोकीन को इलाज के लिए वहां एक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। परिवार के लोग उसे इलाज के लिए ला रहे थे। बताया गया कि उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। परिवार के लोगों ने इस बारे में नौहझील पुलिस को सूचना देकर शव को मोरचरी में रखवा दिया। पुलिस के पंचनामा करने के बाद शोकीन के शव का पोस्टमार्टम होगा।

नवमी पर आस्था का उमड़ा सैलाब

मंदिरों में गूंजे माता के जयकारे

प्राचीन पथवारी मंदिर पर पूजा अर्चना करते श्रद्धालु।

चामुंडा कॉलोनी में चामुंडा देवी मंदिर में सजा फूल बंगला।

चामुंडा देवी के दर्शन करते श्रद्धालु।

यूनिक समय, मथुरा। धर्मनगरी में चैत्र नवरात्रि की नवमी पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। शहर के प्रमुख मंदिरों–कैंट स्थित कालीदेवी मंदिर, चामुंडा देवी मंदिर और बंगला मुखी मंदिर एवं अन्य मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। मां दुर्गा के नवम स्वरूप की अराधना के लिए श्रद्धालु परिवार सहित मंदिरों में पहुंचे और विधि–विधान से पूजन–अर्चन कर सुख–समृद्धि की कामना की। मंदिरों में विशेष श्रृंगार, हवन–पूजन और कन्या पूजन के आयोजन ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। घंटों–घड़ियाल और जय माता दी के उद्घोष से पूरा वातावरण गूंज उठा। नवमी के अवसर पर शहर के घर–घर में भी पूजा–अर्चना के साथ कन्या भोज का आयोजन हुआ, जहां छोटी कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनका सम्मान किया गया। मथुरा की गलियों से लेकर मंदिर प्रांगण तक हर ओर भक्ति, उत्साह और आस्था की अनुपम छटा देखने को मिली।

फरह। वासंतिक नवरात्र के नौंवे दिन शुक्रवार को कस्बा समेत ग्रामीण क्षेत्र में मां दुर्गा की नौंवी शक्ति के रूप में सिद्धिदात्री की पूजा की गई। सुबह से ही श्रद्धालु पूजा सामग्रियों के साथ दुर्गा मंदिरों में उमड़ पड़े और श्रद्धा भक्ति से मां दुर्गा की अराधना की। श्रद्धालुओं ने अन्य देवी–देवताओं की भी पूजा अर्चना कर परिवार की सुखमय जीवन और हर क्षेत्र में सिद्धी पाने की कामना की। इस दौरान या देवी सर्वभुतेषु के उद्घोष से वातावरण भक्तिमय हो गया। इस दौरान पूजा स्थल पर हवन भी किया गया। फरा देवी मंदिर के महंत शिवराम शर्मा ने बताया कि मां सिद्धिदात्री की पूजा हमारे अंदर बुराईयों को दूर कर सद्गुन उत्पन्न करता है और सभी कार्य में सिद्धि मिलती है। वहीं, नवरात्र के अंतिम दिन कस्बा के फरा देवी मंदिर में पूजा अर्चना को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमडी। महिलाओं ने विधि–विधान से माता की पूजा की। अष्टमी को उपवास रखने वाले श्रद्धालुओं ने मां की पूजा और हवन कर भोजन ग्रहण किया। पूरे नवरात्र उपवास करने वालों ने आज कन्याओं को भोजन (कुंवारी) खिला दान दक्षिणा दिया। इस मौके पर जगह–जगह कुंवारी खिलाने की होड़ रही। कस्बा स्थित पथवारी मंदिर में भी महिलाओं ने पूजा–अर्चना की ओर माता रानी से आशीर्वाद मांगा। इस दौरान महिलाओं को मंदिर गेट के सामने और आसपास खड़े होने वाले वाहनों से परेशानी झेलनी पड़ी। वहीं, परखम, बेरी, दीनदयाल धाम, गढ़ी पचौरी, ओल और बरारी समेत अन्य गांवों के मंदिरों में विराजमान मां चामुंडा, मां काली, वैष्णो देवी, दुर्गा माता, ज्वाला देवी आदि की पूजा की गई। नवरात्र के अंतिम दिन महिलाओं ने कन्या और लांगुर को प्रसाद खिलाया और दक्षिणा देकर आशीर्वाद लिया।

नवरात्र समापन पर समाजसेवियों ने शीतल पेय की प्याऊ लगाकर राहगीरों की सेवा की। थाने के अलावा अन्य स्थानों पर लगाईं प्याऊ से राहगीरों ने शर्बत पाकर गले को तर किया।

नवमी पर कन्या–लांगुराओं को मिल रहे आकर्षक उपहार

चैत्र नवरात्र में नवमी पर कन्या–लांगुरा पूजन में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। परंपरागत रूप से जहां पहले हलवा–पूरी और चने का प्रसाद बांटा जाता था, वहीं अब इसमें बदलाव नजर आने लगा है। लोक कन्या–लांगुराओं को आकर्षक उपहार भी भेंट कर रहे हैं। उपहार पाकर कन्या–लांगुराओं के चेहरे खिल रहे हैं। पूजन में शामिल होने वाली कन्याओं को टिफिन बॉक्स, चॉकलेट बॉक्स, स्कूल बैग, और अन्य उपयोगी वस्तुएं भेंट की जा रही हैं। बाजार से लांगुर, लांगुरुओं के लिए अच्छे उपहार खरीदें हैं। वही छोटे बच्चों के लिए लोग खिलौने और स्टेशनरी भी गिफ्ट दिए। श्रद्धालु रीना अग्रवाल, सीमा ठाकुर,प्रीति चौधरी का कहना है कि बच्चों को खुश करने के लिए यह पहल की जा रही है। हालांकि, बुजुर्ग सादगी से पूजन करने की सलाह दे रहे हैं। श्रद्धालु चंचल शर्मा का कहना है कि नवमी पूजन पर बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने की कोशिश की जा रही है।

रामनवमी पर अस्पताल में मरीजों को फल वितरित किए

यूनिक समय, मथुरा। रामनवमी के पावन अवसर पर जिले के जिला अस्पताल में सेवा और मानवता का अनूठा उदाहरण देखने को मिला। इस अवसर पर अस्पताल के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नीरज अग्रवाल के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम एवं एआरटी प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ धनगर ने मरीजों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और उन्हें फल वितरित किए। इस दौरान सीएमएस ने अस्पताल स्टाफ को निर्देश दिए कि सभी मरीजों की समुचित देखभाल सुनिश्चित की जाए तथा उनके उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि मरीजों की सेवा ही सच्ची आराधना है।

चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नीरज अग्रवाल व डॉ. सिद्धार्थ धनगर वार्ड में निरीक्षण करते हुए।

पैदल निकली मां काली की सवारी दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

नवरात्र समापन पर पथवारी मंदिर से निकाली गई शोभायात्रा में शामिल मां काली का स्वरूप।

यूनिक समय, फरह। कस्बा का वातावरण माता रानी की भक्ति और श्रद्धा से डूबा रहा। तलवार के साथ करतब दिखाते हुए मां काली निकली तो माहौल जयकारों से गूंज उठा। कस्बा के समाजसेवियों के तत्वावधान में मां काली की पैदल सवारी आकर्षक का केंद्र रही। यहां महंत शिवराम शर्मा ने आरती उतार कर मां काली की पूजा करते हुए परंपरागत रूप से स्वागत किया। मां काली की सवारी के साथ राहुल अग्रवाल, ओम प्रकाश शर्मा, ध्रुव सिंघल, सुनील मित्तल, पवन कुमार, रवी कुमार, मनीष अग्रवाल, नीरज कुमार आदि मौजूद रहे।

तलवार के साथ मां के स्वरूप ने दिखाए करतब, गूंजायमान हुआ वातावरण

शर्बत वितरण करते समाजसेवी।

नवरात्रि में ग्राहकों की कमी से व्यापारी परेशान

सिटी रिपोर्टर

सतीश

प्रदीप

जितेंद्र

यूनिक समय, मथुरा। नवरात्रि पर्व पर जहां आमतौर पर ग्रामीण बाजारों में श्रद्धालुओं की भीड़ और खरीदारी का उत्साह चरम पर रहता है, वहीं इस वर्ष बरारी और फरह क्षेत्र के बाजारों में सुस्ती साफ नजर आ रही है। विशेषकर चुनरी की बिक्री में पिछले वर्ष की तुलना में भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे व्यापारियों में चिंता का माहौल है। बरारी कस्बे के दुकानदारों के अनुसार, पिछले साल नवरात्रि के पहले दिन हजारों रुपये की बिक्री होती थी, जबकि इस बार यह आंकड़ा सैकड़ों में सिमट गया है। वहीं फरह क्षेत्र में भी बाजारों में ग्राहकों की संख्या कम रहने से व्यापार प्रभावित हुआ है। स्थानीय व्यापारियों का मानना है कि बढ़ती महंगाई, सीमित आय और बदलती खरीदारी आदतों के कारण यह गिरावट आई है। बरारी के सतीश अग्रवाल ने कहा कि पिछले साल नवरात्रि के पहले दिन ही 9500 से 10000 रुपये तक की चुनरी बिक गई थी। रोजाना 5 से 6 हजार तक बिक्री होती थी, लेकिन इस बार पहले दिन मुश्किल से 800 से 1000 रुपये की बिक्री हुई। अब तो रोजाना 300–400 रुपये तक ही सीमित रह गई है। प्रदीप बंसल का कहना है कि इस साल बाजार की हालत बहुत कमजोर है। पिछले साल के मुकाबले मुश्किल से 20 प्रतिशत ही बिक्री हो पा रही है। ग्राहक बाजार में आ ही नहीं रहे, जिससे दुकानदारी ठप सी हो गई है। जितेंद्र गोस्वामी ने कहा कि हमारी दुकान पर भी स्थिति अच्छी नहीं है। पिछले साल की तुलना में इस बार बिक्री 18 से 20 प्रतिशत तक ही सिमट गई है। त्योहार में भी बाजार में रौनक नहीं दिख रही।

मनोज अग्रवाल के अनुसार नवरात्रि जैसे बड़े पर्व पर इतनी कम बिक्री पहले कभी नहीं देखी। ग्राहक कम हैं और खरीदारी भी बहुत सीमित हो गई है, जिससे व्यापार पर सीधा असर पड़ा है।" रामेश्वर बिंदल ने बताया "बाजार में पहले जैसी भीड़ नहीं है। लोग जरूरत भर ही खरीदारी कर रहे हैं, जिससे कारोबार काफी गिर गया है। त्योहार का उत्साह भी कम नजर आ रहा है। बृजमोहन गोयल कहते हैं कि चुनरी की बिक्री में भारी गिरावट आई है। पहले जहां रोज अच्छी बिक्री होती थी, अब पूरे दिन में कुछ ही ग्राहक आते हैं। यह स्थिति व्यापारियों के लिए चिंता का विषय है।

मौसम की मार और मजदूरों की कमी से परेशान किसान

शुक्रवार को आसमान में छाए बादलों के बीच गांव बिसू में गेहूं फसल काटते लोग।

मजदूर बने समस्या

गेहूं की फसल पककर पूरी तरह से तैयार है, लेकिन मजदूरों की कमी समस्या बनी हुई है। श्रमिक कम होने से किसान अधिक परेशान हैं। कुछ बड़े किसान तो कंबाइन के सहारे गेहूं कटवा रहे हैं, जबकि छोटे किसान मजदूर को खोजते फिर रहे हैं। वहीं मजदूर चार से पांच मन बीघा या 600 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से गेहूं काटने को तैयार हो रहे हैं। गांव बिसू के किसान बृजेश ने बताया कि वह करीब छह किलोमीटर दूर गांव परखम से 600 रुपया रोज पर गेहूं काटने के लिए मजदूर लेकर आए हैं, तब गेहूं काटना शुरू हुए हैं। ऐसे में मौसम और परेशान कर रहा है।

यूनिक समय, फरह। आसमान में काले बादल और मजदूरों की कमी से किसान हलकान है। खेतों में कटने को तैयार खड़ी गेहूं की फसल को लेकर किसान चिंतित है। मजदूर नहीं मिल रहे हैं, मनमानी मजदूरी पर गेहूं कटवाने का काम करवाना पड़ रहा है। वहीं, मौसम विभाग ने शनिवार से तीन दिन तक के लिए आसमान में बादल

कई दिन से बदल रहा मौसम का मिजाज

कटने को तैयार गेहूं फसल के लिए नहीं मिल रहे मजदूर

छाए रहने और बूंदाबांदी का पूर्वानुमान जारी किया है। पिछले एक सप्ताह से मौसम खेती के लिए नासूर बना हुआ है। बेमौसम वर्षा झेलने वाले किसान अब आए दिन आसमान पर छा रहे काले बादलों से परेशान है।

ऐसे में गेहूं की खेतों में पकी फसल चिंता का विषय बनी हुई है। शुक्रवार को भी सुबह से शाम तक आसमान में कई बार बादल छाए, लेकिन गनीमत रही की बूंदाबांदी नहीं हुई। ऐसे मौसम के साथ मध्यम गति से चल रही बाजार भी किसानों के लिए दिक्कत की वजह बन रही है। अब मौसम विभाग ने शनिवार से सोमवार तक के लिए मौसम से जुड़ा पूर्वानुमान जारी किया है। तीन दिन के इस पूर्वानुमान में आसमान पर बादल छाए रहने के साथ हल्की बूंदाबांदी के संकेत दिए गए हैं। ऐसे में किसान मौसम विभाग की ओर से जारी पूर्वानुमान से फिर चिंतित हो रहे हैं।

पत्नी के ऑपरेशन में डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप

यूनिक समय, कोसीकलां। कोसीकलां के एक हॉस्पिटल में महिला के ऑपरेशन में लापरवाही बरतने और डॉक्टरों से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दिए जाने की शिकायत एसएसपी से महिला के पति ने की है। होडल हरियाणा के रहने वाले राजेंद्र सिंह ने शिकायती पत्र में कहा है कि उसने अपनी पत्नी ममताा 3 जनवरी को कोसीकलां के एसएल हॉस्पिटल एंड ट्रोमा सेंटर अजीजपुर में डॉक्टर दुष्यंत यादव को इलाज के लिए दिखाया था। डॉक्टर ने कहा कि मैं एमबीबीएस एमडी हूं। डॉक्टर ने जांच के बाद बताया कि पत्नी की बच्चेदानी का ऑपरेशन होगा।

इसके लिए राजेंद्र सिह का कहना है कि उसने 19 हजार रुपये नकद जमा करा दिए। डॉक्टर ने एक दूसरे डॉक्टर मरुपाल सिंह को बुलाया। डॉक्टर ने अपने को सर्जन बताते हुए पत्नी का ऑपरेशन कर दिया। ऑपरेशन के बाद पत्नी के होश में आने के बाद जब उसे पूछा तो उसने पेट में दर्द और ब्लिडिंग होने के साथ उल्टी की शिकायत की।

पति ने शिकायत करने पर धमकी दिए जाने की बात कही

इस पर डॉक्टर को बताया गया तो वह घबरा गए और हॉस्पिटल छोड़कर चले गए। पत्नी का इलाज वहां के स्टाफ ने किया। पत्नी की हालत और खराब होने पर 7 जनवरी को डॉक्टरों ने डिस्चार्ज कर दिया। आयुषमान कार्ड से 33375 रुपये काट लिए। पत्नी की हालत ठीक न होने पर कई दूसरे डॉक्टरों को दिखाया लेकिन हालत में सुधार न होने पर फरीदाबाद के एक हॉस्पिटल में भर्ती कराया जहां चिकित्सक ने ऑपरेशन में चिकित्सक द्वारा की गई लापरवाही की जानकारी दी। इस मामले में लापरवाही करने वाले डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने की पीड़ित ने गुहार लगाई है। इस बारे में थाना प्रभारी का कहना है कि इस तरह का कोई मामला उनके संज्ञान में नहीं है। अगर कोई मामला आया तो उसकी जांच की जाएगी।

"बोलती तस्वीर"

आग और धुएं ने बढ़ाई मुश्किल

बैंक कॉलोनी में कूड़े के ढेर ने अचानक "आग का शो" पेश कर दिया। धुएं ने पूरे इलाके को घेर लिया, लोग स्वच्छता अभियान को याद करने लगे। पास खड़ी कारें भी सोच में हैं कि अगली बारी उनकी तो नहीं। **फोटो क्लिक—यूनिक समय**

ट्रैक्टर ट्रॉली ने बाइक को मारी टक्कर,दो बाइक सवार घायल

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोवर्धन क्षेत्र स्थित मथुरा गोवर्धन मार्ग पर अड़ींग बाइपास के समीप बाइक सवार दो भाइयों को ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों बुरी तरह से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डीग राजस्थान के रहने वाला सौरभ अपने भाई संतोष के साथ बाइक से मथुरा जा रहे थे। बताया गया कि अड़ींग बाइपास पर जैसे ही इनकी बाइक पहुंची वहां मथुरा की ओर से तेज गति से आती श्रीपाद गौशाला की ट्रैक्टर ट्रॉली ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना में बाइक सवार दोनों भाई सड़क पर गिर कर बुरी तरह से घायल हो गए। दुर्घटना को देख मौके पर पहुंचे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इस दौरान काफी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए। लोगों ने मौके पर पहुंची पुलिस की सहायता से दोनों घायल भाइयों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गौवर्धन पर भर्ती कराया। पुलिस ने घायलों के परिवारीजनों को भी हादसे की सूचना दी। परिवार के लोग दोनों भाइयों को इलाज के लिए अपने साथ ले गए।

भाजपा कोसीकलां मंडल कार्यकारिणी घोषित

यूनिक समय, कोसीकलां। भारतीय जनता पार्टी द्वारा संगठन को सशक्त बनाने के लिए कोसीकलां मंडल की नई कार्यकारिणी गठित की गई है। जिलाध्यक्ष निर्भय पाण्डेय की संस्तुति के उपरांत मंडल अध्यक्ष सौरभ जैन की सूची जारी की गई, जिसमें पार्टी के सक्रिय एवं अनुभवी कार्यकर्ताओं को विभिन्न दायित्व सौंपे गए हैं। कार्यकारिणी में मंडल उपाध्यक्ष डॉ. जवाहर रावत, बब्बल मिगलानी, विवेक अग्रवाल, विजय शर्मा, सतवीर भास्कर एवं खुशबू अग्रवाल को जिम्मेदारी दी गई है। मंडल महामंत्री सतवीर सांगवान एवं डॉ. पवन शर्मा, मंडल मंत्रियों में संदीप जैन, प्रिया अग्रवाल, श्वेता अग्रवाल, मयंक, सुन्दर पटेल एवं नरसिंह, राजेश अग्रवाल को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अतिरिक्त भारत शर्मा को मीडिया प्रभारी, कन्हैया शर्मा को सोशल मीडिया प्रभारी तथा नितिन अग्रवाल को आईटी संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

धूमधाम से मनाया गया धर्म रक्षा संघ का 23वां स्थापना दिवस

यूनिक समय, वृंदावन। रामनवमी के पावन अवसर पर अटल्ला चुंगी स्थित श्री राम मंदिर में महामंडलेश्वर स्वामी रघुनाथ दास महाराज के सानिध्य में एवं अनेक संतों धर्माचार्यों तथा पदाधिकारियों की उपस्थिति में धर्म रक्षा संघ का 23 वां स्थापना दिवस प्रभु श्रीराम के विग्रह का पंचगव्य से अभिषेक कर फूलों से श्रृंगार व भोग आरती कर मनाया गया। महामंडलेश्वर माँ ध्यानमूर्ति गिरी की अध्यक्षता में श्रीराम मंदिर से लेकर परिक्रमा मार्ग होते हुए गोपालखार स्थित श्रीराधा प्रसाद देवजू धाम हर्षोल्लास के साथ भगवा ध्वज लेकर विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। धर्म रक्षा संघ मातृशक्ति की राष्ट्रीय अध्यक्ष

भगवा ध्वज लेकर निकाली गई भव्य शोभायात्रा में धर्माचार्य व पदाधिकारी।

महामंडलेश्वर माँ ध्यानमूर्ति गिरी ने कहा कि आज से 23 वर्ष पूर्व धर्म रक्षा संघ के मुख्य संरक्षक महंत श्री नृत्य गोपाल दास जी महाराज के सानिध्य में धर्म रक्षा संघ की नींव रखी गई थी उस वक्त धार्मिक क्षेत्र में रोपा गया। एक छोटा सा पौधा आज बट वृक्ष बनकर सनातन धर्म की रक्षा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। महामंडलेश्वर स्वामी रघुनाथ दास ने कहा कि धार्मिक क्षेत्र में धर्म रक्षा संघ ने अपनी एक विशिष्ट पहचान बना ली है। महंत मोहिनी बिहारी शरण ने कहा कि वर्तमान समय में सनातन

भगवा ध्वज लेकर निकाली गई भव्य शोभायात्रा

धर्म को धर्म रक्षा संघ जैसे संगठनों की आवश्यकता है। इस मौके पर आचार्य बद्रीश, श्री हरिदासीय पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी राधाप्रसाद देवजू महाराज, आचार्य अनमोल कृष्ण, राधानंद गिरी, श्रीदास प्रजापति, डॉ. हरिओम शास्त्री, विकास पंडित, सचिन चौधरी, साध्वी वर्षा, हरि कौशल, सुषमा अग्रवाल, शशि शुक्ला, गीता सिंह, डॉ. हरिहरानंद, घनश्याम सिंह, मुकेश शर्मा आदि उपस्थित थे।

मथुरा की एमएसएमई इकाइयों का सम्मान 29 मार्च को कानपुर में होगा

यूनिक समय, मथुरा। एमएसएमई प्रादेशिक पुरस्कार योजना वर्ष 2025-26 के अंतर्गत चयनित उद्यमियों का सम्मान 29 मार्च को किया जाएगा। इस सूची में मथुरा की कई इकाइयों का चयन होना जिले के लिए गौरव की बात है। यह जानकारी उपायुक्त उद्योग चन्द्रमान सिंह ने दी है। उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार वितरण समारोह कानपुर स्थित चन्द्रशेखर आजाद एग्रीकल्चर परिसर, नवाबगंज में आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि सभी चयनित उद्यमी प्रातः 10 बजे तक कार्यक्रम स्थल पर पहुंचें और अपने साथ आधार कार्ड तथा पासपोर्ट साइज फोटो अवश्य लेकर जाएं।

भारत में एंट्री के लिए 'ई-आगमन कार्ड' अनिवार्य

यात्रियों के लिए बड़ा डिजिटल अपडेट

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत सरकार ने हवाई यात्रा को और आसान व आधुनिक बनाने के लिए 1 अप्रैल 2026 से 'ई-आगमन कार्ड' को अनिवार्य करने का फैसला लिया है। यह नया सिस्टम पुराने कागजी डिसएम्बार्केशन फॉर्म की जगह लेगा, जिसे अब पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य एयरपोर्ट पर लगने वाले समय को कम करना और इमिग्रेशन प्रक्रिया को तेज व पेपरलेस बनाना है। 'ई-आगमन कार्ड' एक ऑनलाइन फॉर्म है, जिसे विदेशी यात्रियों और ओसीआई कार्ड होल्डर्स को भारत आने से पहले भरना होगा। यह फॉर्म 'सुस्वागतम्' मोबाइल ऐप या भारत सरकार के आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से भरा जा सकता है। इसे

भरने के बाद यात्रियों को एक क्यूआर कोड मिलेगा, जिसे एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन काउंटर पर दिखाना जरूरी होगा।

समय का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। यात्रियों को यह फॉर्म भारत पहुंचने से 72 घंटे पहले के भीतर भरना होगा। बेहतर यही है कि फ्लाइट में बैठने से पहले ही इसे पूरा कर लिया जाए, ताकि एयरपोर्ट पर किसी तरह की देरी या परेशानी से बचा जा सके। फॉर्म भरने की प्रक्रिया सरल रखी गई है। इसमें यात्रियों को पासपोर्ट डिटेल्स, फ्लाइट जानकारी, संपर्क नंबर, यात्रा का उद्देश्य और भारत में ठहरने का पता भरना होगा। अच्छी बात यह है कि इसमें किसी दस्तावेज को अपलोड करने की जरूरत नहीं है और एक परिवार के पांच सदस्य एक ही फॉर्म के जरिए आवेदन कर सकते हैं। यह नियम केवल विदेशी नागरिकों और ओसीआई कार्ड धारकों पर लागू होगा। भारतीय नागरिकों को यह फॉर्म भरने की आवश्यकता नहीं है। अगर कोई यात्री यह फॉर्म पहले से नहीं भरता, तो उसे एंट्री तो मिल जाएगी, लेकिन इमिग्रेशन प्रक्रिया लंबी और समय लेने वाली हो सकती है। इस डिजिटल पहल से इमिग्रेशन समय में लगभग 40 प्रतिशत तक कमी आने की उम्मीद है। यह कदम भारत को उन देशों की श्रेणी में लाता है, जहां पहले से ही पेपरलेस एंट्री सिस्टम लागू है। इसलिए, अगर आप 1 अप्रैल के बाद भारत यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो 'ई-आगमन कार्ड' को अपनी यात्रा चेकलिस्ट में जरूर शामिल करें।

बेल का मुरब्बा: गर्मियों में पेट को ठंडा रखने का आसान और असरदार उपाय

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों के मौसम में शरीर को ठंडक देने और पाचन तंत्र को मजबूत रखने के लिए बेल का मुरब्बा एक बेहतरीन विकल्प है। यह न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि लू और पेट से जुड़ी समस्याओं से भी बचाव करता है। इसे बनाने के लिए कच्चे बेल का उपयोग किया जाता है, क्योंकि पके बेल से मुरब्बा नहीं बनता। सबसे पहले बेल को तोड़कर उसका छिलका हटाएं और अंदर के गूदे को छोटे टुकड़ों में काट लें। बीज निकालकर टुकड़ों को अच्छी तरह धो लें।

इसके बाद बेल के टुकड़ों को पानी में थोड़ी फिटकरी डालकर कुछ मिनट उबालें, ताकि अशुद्धियां निकल जाएं। फिर पानी छानकर अलग कर दें। अब एक कड़ाही में पानी और गुड़ डालकर चाशनी तैयार करें। जब गुड़ पूरी तरह घुल जाए, तो इसमें उबले हुए बेल के टुकड़े डालें और नरम होने तक पकाएं। अंत में गैस बंद करके ठंडा होने दें और थोड़ा नींबू रस मिलाएं, जिससे मुरब्बा लंबे समय तक सुरक्षित रहेगा। रोजाना 1-2 चम्मच बेल का मुरब्बा खाने से पेट ठंडा रहता है और पाचन बेहतर होता है।

रोजमेरी ऑइल से बढ़ाएं बालों की लंबाई: आसान और असरदार तरीका

यूनिक समय, नई दिल्ली। लंबे, घने और मजबूत बाल पाने के लिए नेचुरल उपाय अपनाना बेहद फायदेमंद होता है। रोजमेरी ऑइल एक ऐसा ही प्राकृतिक विकल्प है, जिसमें कई औषधीय गुण पाए जाते हैं। यह न केवल बालों की लंबाई बढ़ाने में मदद करता है, बल्कि उन्हें घना और मजबूत भी बनाता है। केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स के बजाय रोजमेरी ऑइल को अपने हेयर केयर रूटीन में शामिल करना एक बेहतर फैसला हो सकता है।

रोजमेरी ऑइल को सीधे स्कैल्प पर लगाने के बजाय इसे किसी कैरियर ऑइल जैसे नारियल या जोजोबा ऑइल के साथ मिलाकर इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए एक कटोरी में 2 बड़े चम्मच नारियल या जोजोबा तेल लें और उसमें 4-5 बूंद रोजमेरी ऑइल मिलाएं। इस मिश्रण को अच्छी तरह से मिक्स करके अपनी स्कैल्प पर लगाएं।

लगाने के बाद 5-7 मिनट तक हल्के हाथों से मसाज करें, जिससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होगा और बालों की जड़ों को पोषण मिलेगा। इस तेल को कम से कम एक घंटे तक बालों में लगा रहने दें, फिर शैम्पू से धो लें। हफ्ते में दो बार इसका इस्तेमाल करने से कुछ ही हफ्तों में सकारात्मक असर दिखने लगता है और बाल तेजी से बढ़ने लगते हैं।

हाई बीपी को बिना दवा के तुरंत कंट्रोल करने के आसान उपाय

यूनिक समय, नई दिल्ली। हाई ब्लड प्रेशर (बीपी) को "साइलेंट किलर" कहा जाता है, क्योंकि यह बिना किसी स्पष्ट लक्षण के शरीर को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। अगर बीपी 140/90 या उससे ज्यादा हो जाए, तो यह हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ा देता है। ऐसी स्थिति में तुरंत इसे नियंत्रित करना बेहद जरूरी हो जाता है। अगर आपके पास दवा उपलब्ध नहीं है, तो कुछ घरेलू और आसान उपायों से बीपी को अस्थायी रूप से कम करने में मदद मिल सकती है।

सबसे पहले, खुद को शांत और रिलैक्स रखने की कोशिश करें। तनाव और घबराहट बीपी को और बढ़ा सकती है। शरीर को ठंडा करने के लिए पैरों पर ठंडा पानी डालें और सिर को भी ठंडा रखें। इससे शरीर का तापमान कम होगा और बीपी को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। दूसरा प्रभावी उपाय है गहरी सांस लेना। 5-10 मिनट तक धीरे-धीरे गहरी सांस लें और छोड़ें। आप चाहें तो ध्यान (मेडिटेशन) भी कर सकते हैं। इससे नर्वस सिस्टम शांत होता है और ब्लड प्रेशर धीरे-धीरे कम होने लगता है। खाने-पीने का भी खास ध्यान रखें। जब बीपी हाई हो, तो नमक और मसालेदार चीजों से दूरी बनाएं। इसकी जगह बिना नमक वाला नींबू पानी या नारियल पानी पिएं। ये शरीर को हाइड्रेट करते हैं और बीपी को संतुलित करने में सहायक होते हैं। इसके अलावा, काली तुलसी के पत्ते या लहसुन की एक कली चबाना भी फायदेमंद हो सकता है। अगर घर में अनार का रस उपलब्ध हो, तो उसे पीना भी अच्छा विकल्प है, क्योंकि यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है। हालांकि, ये सभी उपाय केवल अस्थायी राहत के लिए हैं। लंबे समय तक हाई बीपी रहने पर डॉक्टर से सलाह लेना बेहद जरूरी है, ताकि सही उपचार किया जा सके।

श्वेता तिवारी का बनारसी साड़ी लुक: देसी अंदाज में मॉडर्न ग्लैमर

यूनिक समय, नई दिल्ली। श्वेता तिवारी एक बार फिर अपने स्टाइलिश अंदाज से सुर्खियों में हैं। 45 की उम्र में भी उनका फैशन सेंस नई अभिनेत्रियों को कड़ी टक्कर देता है। इस बार उन्होंने बनारसी साड़ी में देसी लुक अपनाया, लेकिन उसमें मॉडर्न ग्लैमर का तड़का भी बखूबी लगाया। श्वेता ने मरून रंग की खूबसूरत बनारसी साड़ी पहनी, जिसमें गोल्डन जरी वर्क उनकी पर्सनालिटी को रॉयल टच दे रहा था। साड़ी का रिच फैब्रिक, पारंपरिक डिजाइन और क्लासिक ड्रेपिंग उन्हें बेहद एलिगेंट लुक दे रहे थे। इसके साथ उन्होंने डीप नेक और डीप बैक ब्लाउज कैरी किया, जो उनके पूरे लुक को स्टाइलिश

बना रहा था। इस लुक की सबसे खास बात रही उनकी बैक जूलरी। डीप बैक ब्लाउज के साथ उन्होंने लेयर्ड गोल्ड चेन स्टाइल जूलरी पहनी, जिसने उनके आउटफिट को यूनिक और ट्रेंडी बना दिया। इसके अलावा ग्रीन, रेड और टरक्वॉइज ब्लू स्टोन वाली जूलरी, चोकर सेट, हैवी इयररिंग्स और हथफूल ने उनके लुक में चार चांद लगा दिए। मेकअप की बात करें तो उन्होंने सॉफ्ट ग्लोइंग मेकअप और न्यूड लिप्स चुने, जिससे उनका लुक ओवरडन नहीं लगा, बल्कि बेहद क्लासी और बैलेंस्ड नजर आया।

यही परफेक्ट कॉम्बिनेशन उनके स्टाइल को खास बनाता है-जहां ट्रेडिशनल और मॉडर्न दोनों का खूबसूरत मेल दिखता है। अगर आप भी इस लुक को रीक्रिएट करना चाहती हैं, तो बनारसी या सिल्क साड़ी के साथ डीप बैक ब्लाउज ट्राई करें। बैक जूलरी को जरूर शामिल करें और मेकअप को मिनिमल रखें। यह स्टाइल आपको एथनिक के साथ-साथ ग्लैमरस लुक भी देगा।

चटपटी नींबू शिकंजी: गर्मियों में ताजगी देने वाली देसी ड्रिंक

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों के मौसम में ठंडी-ठंडी नींबू शिकंजी पीने का मजा ही अलग होता है। यह न केवल शरीर को ठंडक देती है, बल्कि डिहाइड्रेशन से बचाने और पाचन को बेहतर बनाने में भी मदद करती है। घर पर देसी स्टाइल की चटपटी शिकंजी बनाना बेहद आसान है और इसके लिए ज्यादा समय या महंगी सामग्री की जरूरत नहीं होती।

सबसे पहले शिकंजी मसाला तैयार करें। इसके लिए जीरा, काली मिर्च और सौंफ को हल्का भून लें। ठंडा होने पर इसमें काला नमक, सादा नमक, पुदीना, सोंठ पाउडर, इलायची और थोड़ी चीनी मिलाकर मिक्सर में पीस लें। यह मसाला आपकी शिकंजी के स्वाद को कई गुना बढ़ा देगा। इसे आप एयरटाइट कंटेनर में स्टोर भी कर सकते हैं। अब एक गिलास में बर्फ के टुकड़े डालें। इसमें एक चम्मच तैयार मसाला, एक चम्मच चीनी, भीगे हुए सब्जा के बीज, एक नींबू का रस और पुदीने की पत्तियां मिलाएं। अंत में ठंडा सोडा पानी डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। तैयार है आपकी चटपटी शिकंजी। यह ड्रिंक स्वादिष्ट होने के साथ इम्यूनिटी बढ़ाने और वेट लॉस में भी सहायक मानी जाती है।

छोटे बच्चे की देखभाल के जरूरी टिप्स

सावधानी अपनाकर अपने बच्चे को बीमारियों से बचा सकते हैं

यूनिक समय, नई दिल्ली। घर में छोटे बच्चे का होना जितनी खुशी देता है, उतनी ही जिम्मेदारी भी लेकर आता है। खासकर नए माता-पिता के लिए यह समझना बेहद जरूरी है कि सही देखभाल से ही बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास बेहतर हो सकता है। थोड़ी सी सावधानी अपनाकर आप अपने बच्चे को बीमारियों से बचा सकते हैं और उसकी इम्युनिटी मजबूत बना सकते हैं।

सबसे पहले साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। छोटे बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, इसलिए उन्हें छूने से पहले हाथ जरूर

धोएं। उनके कपड़े, बिस्तर और आसपास का वातावरण साफ रखें, ताकि संक्रमण का खतरा कम हो सके। बच्चे के पोषण पर भी ध्यान देना जरूरी है। नवजात के लिए मां का दूध सबसे अहम होता है, इसलिए हर 2-3 घंटे में फीड कराएं। डॉक्टर की सलाह के बिना बच्चे को कुछ भी नया खाने को न दें। सही पोषण उसके विकास की नींव रखता है। नींद भी बच्चे की सेहत के लिए बेहद जरूरी है। छोटे बच्चे दिन में लगभग 14-16 घंटे सोते हैं। उन्हें शांत और आरामदायक माहौल दें, तेज रोशनी और शोर से दूर रखें, ताकि उनकी नींद पूरी हो सके। सुरक्षा का ध्यान रखना भी उतना ही जरूरी है। घर में बिजली के सॉकेट कवर करें, छोटे सामान बच्चे की पहुंच से दूर रखें और फर्नीचर के नुकीले किनारों को सुरक्षित बनाएं। इससे दुर्घटनाओं का खतरा कम होता है। इसके अलावा, समय-समय पर डॉक्टर से चेकअप और टीकाकरण जरूर कराएं। साथ ही बच्चे के साथ समय बिताएं, उससे बात करें और खेलें। प्यार और ध्यान से उसका भावनात्मक विकास भी बेहतर होता है।

सुविचार

सपने वही सच होते हैं, जिनके लिए आप मेहनत करते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	दशमी 10:07-08:46 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	पुष्य 3:24- 02:50 तक	माह	चैत्र
सूर्योदय	6:27 AM	चन्द्रोदय	02:23 PM
सूर्यास्त	6:37 PM	चंद्रास्त	03:56 AM
सूर्य राशि	मीन राशि	चंद्र	कर्क राशि
शुभ मुहूर्त	12:12PM -12:59 PM	ब्रहम् मुहूर्त	05:01-06:05
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	09:29 AM:11:00 AM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

कृष्ण ने ब्रह्मा का अहंकार तोड़ खोला अनंत ब्रह्मांडों का रहस्य

यूनिक समय, मथुरा। सनातन परंपरा में वर्णित एक अद्भुत कथा आज भी ब्रह्मांड और सृष्टि के रहस्यों पर गहरा प्रकाश डालती है। यह प्रसंग ब्रह्मा, श्रीकृष्ण और द्वारका से जुड़ा है, जिसमें सृष्टि के रचयिता के अहंकार का निवारण और अनंत ब्रह्मांडों का रहस्य सामने आता है।

कथा के अनुसार, एक बार ब्रह्मा जी को अपने सृष्टिकर्ता होने का अभिमान हो गया। इसी भाव के साथ वे श्रीकृष्ण से मिलने द्वारका पहुंचे। उन्होंने द्वारपाल से संदेश भिजवाया कि "ब्रह्मा आए हैं।" जब यह संदेश कृष्ण तक पहुंचा, तो उन्होंने एक अप्रत्याशित प्रश्न पूछा–"कौन से ब्रह्मा?" यह सुनकर ब्रह्मा जी चकित रह गए। उन्हें लगा कि सृष्टि में वे ही एकमात्र ब्रह्मा हैं, फिर यह प्रश्न क्या?

उन्होंने पुनः संदेश भेजा–"चार मुख वाले ब्रह्मा आए हैं।" अनुमति मिलने पर जैसे ही वे अंदर पहुंचे, उनके सामने का दृश्य देखकर उनका अहंकार चूर–चूर हो गया। वहां अनेक ब्रह्मा उपस्थित थे–किसी के दस मुख, किसी के सौ, तो किसी के हजार। वे सभी अलग–अलग ब्रह्मांडों के सृष्टिकर्ता थे। इस दृश्य ने स्पष्ट कर दिया कि सृष्टि केवल एक नहीं, बल्कि अनागनत ब्रह्मांडों का समूह है। तब श्रीकृष्ण ने ब्रह्मा जी को सृष्टि के गहन रहस्य समझाए। उन्होंने बताया कि सृजन की यह व्यवस्था विष्णु के विभिन्न रूपों से संचालित होती है। प्रथम रूप महाविष्णु का है, जिनकी श्वास से अनगिनत ब्रह्मांड उत्पन्न होते हैं। दूसरा रूप गर्भोदक्षायी विष्णु का है, जो प्रत्येक ब्रह्मांड में प्रवेश कर वहां सृष्टि की रचना के लिए ब्रह्मा को उत्पन्न करते हैं। तीसरा और सूक्ष्मतम रूप क्षीरोदक्षायी विष्णु का है, जो प्रत्येक जीव के हृदय और हर कण में परमात्मा के रूप में विद्यमान रहते हैं।

यह कथा केवल एक धार्मिक प्रसंग नहीं, बल्कि एक गहन दार्शनिक और वैज्ञानिक संकेत भी देती है। आधुनिक विज्ञान जिस "मल्टीवर्स" यानी बहु–ब्रह्मांड की अवधारणा की बात करता है, उसका संकेत सनातन ग्रंथों में पहले से मिलता है। यह दर्शाता है कि ब्रह्मांड असीमित है और मानव की समझ से कहीं अधिक व्यापक।

इस प्रसंग का सबसे बड़ा संदेश यह है कि ज्ञान और पद का अहंकार कभी स्थायी नहीं होता। सृष्टि इतनी विशाल और रहस्यमयी है कि उसमें किसी एक का सर्वोच्च होना संभव नहीं। विनम्रता ही सच्चे ज्ञान का मार्ग है, और यही सनातन दर्शन का मूल सार भी है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 29 मार्च, दिन रविवार: कामदा एकादशी
- 30 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत
- 1 अप्रैल, दिन बुधवार: चैत्र पूर्णिमा
- 5 अप्रैल, दिन रविवार: विकट संकष्टी
- 13 अप्रैल, दिन सोमवार: वरूथिनी एकादशी
- 14 अप्रैल, दिन मंगलवार: बैसाखी
- 15 अप्रैल, दिन बुधवार: बुध प्रदोष व्रत, वैशाख मासिक शिवरात्रि
- 17 अप्रैल, दिन शुक्रवार: दर्श अमावस्या, वैशाख अमावस्या
- 19 अप्रैल, दिन रविवार: अक्षय तृतीया
- 20 अप्रैल, दिन सोमवार: संकर्षण चतुर्थी
- 27 अप्रैल, दिन सोमवार: मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल, दिन मंगलवार: भौम प्रदोष व्रत

कल का राशिफल

मेष राशि : कल ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरपूर दिन रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। खर्चों पर नियंत्रण रखें और परिवार के साथ समय बिताएं।

वृषभ राशि: दिन स्थिरता और आर्थिक सुधार लेकर आएगा। व्यापार में लाभ संभव है। परिवार का सहयोग मिलेगा और रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी।

मिथुन राशि : रचनात्मकता बढ़ेगी और नए अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके विचारों की सराहना होगी। प्रेम जीवन में उत्साह बना रहेगा।

कर्क राशि: थोड़ी सावधानी की जरूरत है। काम में चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन धैर्य से समाधान मिलेगा। खर्चों पर नियंत्रण जरूरी रहेगा।

सिंह राशि: आत्मविश्वास बढ़ेगा और कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। वरिष्ठों से प्रशंसा मिल सकती है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और मन प्रसन्न रहेगा।

कन्या राशि: मेहनत और जिम्मेदारियों का दिन है। काम ज्यादा रहेगा, लेकिन परिणाम सकारात्मक मिलेंगे। खानपान और दिनचर्या का ध्यान रखें।

तुला राशि : सामाजिक जीवन अच्छा रहेगा। सहयोगियों का साथ मिलेगा। प्रेम जीवन में मिठास बढ़ेगी और परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा।

वृश्चिक राशि: धैर्य और समझदारी से काम लें। नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। तनाव से बचें और स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु राशि : भाग्य साथ देगा और करियर में प्रगति होगी। नई योजनाएं सफल होंगी। यात्रा के योग बन सकते हैं।

मकर राशि: अनुशासन और मेहनत से सफलता मिलेगी। निवेश सोच–समझकर करें। परिवार में शांति और सहयोग बना रहेगा।

कुंभ राशि : नए अवसर मिल सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी और मन शांत रहेगा।

मीन राशि : आध्यात्मिकता की ओर झुकाव रहेगा। कार्यक्षेत्र में धीरे–धीरे प्रगति होगी। योग और ध्यान से स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

अमावस्या पर फिटकरी के उपाय से बदल सकता है भाग्य

यूनिक समय, मथुरा। वास्तु और ज्योतिष शास्त्र में कई साधारण वस्तुओं को विशेष महत्व दिया गया है, जिनका सही उपयोग जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। इन्हीं में से एक है फिटकरी, जिसे आमतौर पर पानी साफ करने या घरेलू उपयोग में लिया जाता है, लेकिन ज्योतिष में इसे नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने वाला प्रभावी माध्यम माना गया है।

मान्यता है कि अमावस्या की रात किए गए उपाय विशेष फलदायी होते हैं। इस दिन चंद्रमा की अनुपस्थिति के कारण वातावरण में ऊर्जा का संतुलन बदलता है, जिसे सकारात्मक दिशा में मोड़ा जा सकता है। इसी आधार पर फिटकरी का एक सरल उपाय आर्थिक समस्याओं को कम करने और जीवन में प्रगति के रास्ते खोलने में सहायक माना जाता है। इस उपाय के तहत अमावस्या की रात फिटकरी का एक छोटा टुकड़ा हाथ में लेकर अपनी परेशानियों और आर्थिक बाधाओं को मन ही

मन सोचें। इसके बाद इस टुकड़े को घर के किसी ऐसे स्थान पर रख दें, जहां किसी की नजर न पड़े। माना जाता है कि यह उपाय नकारात्मक ऊर्जा को सोखकर वातावरण को शुद्ध करता है और धन के नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करता है। यदि लगातार मेहनत के बावजूद धन की बचत नहीं हो रही है, तो एक अन्य उपाय भी किया जा सकता है। गुरुवार या शुक्रवार के दिन स्नान के बाद फिटकरी के छोटे टुकड़े को लाल कपड़े में बांधकर पोटली बना लें और इसे तिजोरी या धन रखने के स्थान पर रखें। ऐसी मान्यता है कि इससे अनावश्यक खर्चों में कमी आती है और आर्थिक स्थिरता बढ़ती है। ज्योतिष में फिटकरी का संबंध राहु और शनि जैसे ग्रहों से भी जोड़ा जाता है। यदि जीवन में बार–बार बाधाएं आ रही हों या कर्ज बढ़ रहा हो, तो सप्ताह में एक बार नहाने के पानी में थोड़ा सा फिटकरी मिलाकर स्नान करना लाभकारी माना जाता है। इससे मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है।

हालांकि, इन उपायों को आस्था और विश्वास से जोड़ा जाता है। इनके साथ मेहनत, सही निर्णय और सकारात्मक सोच भी उतनी ही जरूरी है। तभी जीवन में वास्तविक बदलाव संभव हो पाता है।

द्रोणाचार्य ने जयद्रथ की रक्षा के लिए बनाया था महाभारत का सबसे विशाल चक्रशकट व्यूह

यूनिक समय, मथुरा। महाभारत युद्ध के दौरान कई अद्भुत और जटिल सैन्य रचनाएं देखने को मिलीं, लेकिन द्रोणाचार्य द्वारा रचित चक्रशकट व्यूह सबसे विशाल और भयावह माना जाता है। यह व्यूह विशेष रूप से जयद्रथ की रक्षा के लिए बनाया गया था, क्योंकि अर्जुन ने सूर्यास्त से पहले उसका वध करने की प्रतिज्ञा ली थी।

महाभारत के अनुसार, यह व्यूह साधारण चक्रव्यूह से भी अधिक जटिल और बहुस्तरीय था। इसके भीतर कई परतों में अलग–अलग व्यूह बनाए गए थे, जिससे दुश्मन के लिए अंदर तक पहुंचना लगभग असंभव हो जाए। व्यूह के बाहरी हिस्से में मजबूत योद्धाओं की तैनाती की गई थी, जबकि अंदर की ओर पद्म और गूढ़ व्यूह रचे गए थे, जहां जयद्रथ को

सुरक्षित रखा गया।

इस विशाल व्यूह की लंबाई लगभग 24 कोस और चौड़ाई 10 कोस बताई गई है। यदि इसे आधुनिक माप में समझें तो यह करीब 80 किलोमीटर लंबा और 33 किलोमीटर चौड़ा था। यानी इसका क्षेत्रफल लगभग 2,600 वर्ग किलोमीटर से अधिक बैठता है। यह आकार आज के बड़े महानगरों से भी अधिक विशाल था, जिससे इसकी रणनीतिक जटिलता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

व्यूह के मुख्य द्वार पर स्वयं द्रोणाचार्य तैनात थे, ताकि कोई भी योद्धा भीतर प्रवेश न कर सके। उनके पीछे कौरव सेना के प्रमुख योद्धा–कर्ण, अश्वत्थामा, कृपाचार्य और दुर्योधन–अपनी–अपनी टुकड़ियों के साथ रक्षा में खड़े थे। इसके अतिरिक्त, लाखों सैनिकों की व्यवस्था इस तरह की गई थी कि हर परत एक मजबूत सुरक्षा कवच का काम करे।

जयद्रथ की सुरक्षा के लिए अलग से विशाल सेना तैनात थी, जिसमें लगभग एक लाख घुड़सवार, 60 हजार रथ, 14 हजार हाथी और हजारों पैदल सैनिक शामिल थे। उसे मुख्य व्यूह से लगभग 6 कोस यानी करीब 20 किलोमीटर दूर खड़ा किया गया था, ताकि अर्जुन तक पहुंचने में और अधिक बाधाएं उत्पन्न हों। यह व्यूह केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन नहीं था, बल्कि उस समय की रणनीतिक सोच और युद्धकौशल का भी अद्भुत उदाहरण था। हालांकि, अंततः अर्जुन ने अपनी प्रतिज्ञा पूरी करते हुए सभी बाधाओं को पार किया और जयद्रथ का वध किया।

चक्रशकट व्यूह इस बात का प्रतीक है कि महाभारत केवल बल का नहीं, बल्कि बुद्धि, रणनीति और संकल्प का भी युद्ध था।

सम्पादकीय

गैस संकट नहीं, कालाबाजारी का बढ़ता खेल

पश्चिम एशिया में युद्ध की आहट और ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच भारत में एक अलग ही कहानी लिखी जा रही है–डर की कहानी, अफवाहों की कहानी और सबसे बढ़कर कालाबाजारी की कहानी। सवाल यह है कि क्या वास्तव में संकट इतना गहरा है, या फिर इसे गहराने का काम कुछ स्वार्थी तत्व कर रहे हैं? दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की धड़कन कहे जाने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य पर तनाव जरूर बढ़ा है। ईरान से गुजरने वाले इस अहम समुद्री रास्ते पर जहाजों की आवाजाही में सतर्कता आई है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में हलचल स्वाभाविक है। लेकिन भारत के घरेलू बाजार में जो घबराहट दिखाई जा रही है, वह कहीं अधिक बढ़ा–चढ़ाकर पेश की जा रही है। असल खेल यहीं से शुरू होता है। जैसे ही संकट की खबरें फैलती हैं, बाजार में कुछ लोग सक्रिय हो जाते हैं–वे जो कमी को अवसर में बदलना जानते हैं। घरेलू गैस की खपत में आई गिरावट यह संकेत देती है कि वास्तविक जरूरत और दिखाए जा रहे आंकड़ों में बड़ा अंतर है। खासकर वाणिज्यिक उपभोक्ता, जो टैक्स बचाने के लिए खपत कम दिखाते हैं, अब उसी कमी का रोना रोते हुए काले बाजार का सहारा ले रहे हैं। ग्रामीण इलाकों में स्थिति और पेचीदा है। वहां गैस की उपलब्धता में देरी होती है, जिसका फायदा बिचौलिए उठाते हैं। वे जरूरतमंदों तक गैस पहुंचाने के नाम पर ऊंचे दाम वसूलते हैं। इस पूरे तंत्र में सबसे ज्यादा नुकसान आम आदमी को उठाना पड़ता है–वह जो नियमों का पालन करता है, लेकिन फिर भी महंगाई की मार झेलता है। सरकार ने हालात को भांपते हुए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। छोटे सिलेंडर की आपूर्ति, वितरण में सुधार और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने जैसे प्रयास राहत दे सकते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल नीतियां काफी हैं? जवाब है– नहीं। जब तक कालाबाजारी करने वालों पर सख्ती नहीं होगी, तब तक कोई भी योजना अधूरी ही रहेगी। यह केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है। समाज को भी यह समझना होगा कि अवैध खरीद–फरोख्त को बढ़ावा देकर हम खुद अपने लिए संकट खड़ा कर रहे हैं। थोड़े लाभ के लिए नियमों को तोड़ना अंततः बड़े नुकसान का कारण बनता है। आज जरूरत है सतर्कता की, पारदर्शिता की और सख्ती की। ऊर्जा संकट का असली मुकाबला केवल आपूर्ति बढ़ाने से नहीं, बल्कि कालाबाजारी की जड़ों को खत्म करने से होगा। अगर यह लड़ाई जीत ली गई, तो न केवल बाजार स्थिर होगा, बल्कि आम जनता का भरोसा भी मजबूत होगा।

पवन गौतम
संपादक

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

हथियारों की दौड़ बढ़ी, दुनिया हुई असुरक्षित

बोध प्रकाश सगुणी

तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में आज दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां सुरक्षा के नाम पर हो रही हथियारों की होड़ स्वयं असुरक्षा का सबसे बड़ा कारण बनती जा रही है। हर देश अपनी सीमाओं की रक्षा, राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा और वैश्विक शक्ति संतुलन में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए सैन्य बजट बढ़ा रहा है। लेकिन यह विडंबना ही है कि जितनी तेजी से हथियार बढ़ रहे हैं, उतनी ही तेजी से दुनिया अस्थिर और असुरक्षित होती जा रही है।

आज वैश्विक राजनीति केवल कूटनीति तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह सामरिक शक्ति प्रदर्शन का माध्यम बन चुकी है। ईरान और इजराइल के बीच बढ़ता तनाव, रूस–यूक्रेन युद्ध, तथा चीन और ताइवान के बीच टकराव की आशंकाएं इस बात के संकेत हैं कि दुनिया एक बार फिर शीत युद्ध जैसी परिस्थितियों की ओर बढ़ रही है। इन घटनाओं ने न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक स्थिरता को भी प्रभावित किया है।

हथियारों की होड़ का सबसे बड़ा खतरा यह है कि यह अविश्वास को जन्म देती है। जब एक देश अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाता है, तो दूसरा देश इसे खतरे के रूप में देखता है और अपनी तैयारी बढ़ा देता है। इस प्रकार एक अंतहीन चक्र शुरू हो जाता है, जिसमें हर देश खुद को सुरक्षित मानने के बजाय और अधिक असुरक्षित महसूस करता है। यही मानसिकता युद्ध की पृष्ठभूमि तैयार करती है।

पश्चिम एशिया की स्थिति इस समय विशेष रूप से चिंताजनक है। यह क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है, जहां से तेल और गैस की बड़ी मात्रा में आपूर्ति होती है। यदि यहां संघर्ष बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं, तो इसका सीधा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। तेल की कीमतों में वृद्धि से परिवहन महंगा होगा, उत्पादन लागत बढ़ेगी और अंततः महंगाई आम जनता की जेब पर भारी पड़ेगी।

ऐसी स्थिति में विकासशील देशों पर सबसे अधिक दबाव पड़ता है। भारत जैसे देश, जो ऊर्जा के लिए आयात पर निर्भर हैं, इस संकट से सीधे प्रभावित होते हैं। यही कारण है कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने संभावित ऊर्जा संकट को देखते हुए रणनीतिक तैयारियां शुरू कर दी हैं। ऊर्जा आपूर्ति को बनाए रखना, आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना और महंगाई को नियंत्रित रखना इस समय बड़ी चुनौती बन चुका है।

लेकिन समस्या केवल आर्थिक नहीं है, यह मानवीय भी है। जब देश अपने संसाधनों का बड़ा हिस्सा हथियारों पर खर्च करते हैं, तो शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र उपेक्षित हो जाते हैं। दुनिया के कई हिस्सों में आज भी लोग गरीबी, भूख और बीमारी से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकारें प्राथमिकता सैन्य खर्च को दे रही हैं। यह एक ऐसा असंतुलन है, जो मानवता के भविष्य के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

इतिहास इस बात का साक्षी है कि युद्ध कभी भी स्थायी समाधान नहीं देते। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध ने पूरी दुनिया को तबाही के सिवाय कुछ नहीं दिया। आज भी यदि वैश्विक शक्तियां संयम नहीं बरततीं, तो स्थिति और भयावह हो सकती है। आधुनिक युद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहते, बल्कि साइबर हमलों, आर्थिक प्रतिबंधों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित करते हैं। आज की दुनिया में युद्ध का अर्थ केवल सैनिकों की लड़ाई नहीं, बल्कि नागरिकों की पीड़ा भी है। युद्ध के दौरान लाखों लोग विस्थापित होते हैं, शहर खंडहर बन जाते हैं और आने वाली पीढ़ियां मानसिक और आर्थिक रूप से प्रभावित होती हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि विश्व नेतृत्व युद्ध की तैयारी के बजाय शांति की दिशा में प्रयास करे। इस संदर्भ में कूटनीति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि वैश्विक शक्तियां मिलकर संवाद का रास्ता अपनाएं, तो कई संकटों को टाला जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों को अधिक प्रभावी बनाना होगा, ताकि वे केवल चर्चा का मंच न रहकर समाधान का माध्यम बन सकें। भारत इस दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यह देश महात्मा गांधी, गौतम बुद्ध और भगवान महावीर की अहिंसा और शांति की परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है। भारत की विदेश नीति भी "वसुधैव कुटुम्बकम्" के सिद्धांत पर आधारित रही है, जो पूरे विश्व को एक परिवार मानने की बात करता है। यदि भारत सक्रिय कूटनीतिक भूमिका निभाता है और संघर्षरत देशों के बीच संवाद का सेतु बनता है, तो यह वैश्विक शांति की दिशा में एक बड़ा कदम हो सकता है। नरेन्द्र मोदी की छवि एक ऐसे नेता के रूप में उभरी है, जो वैश्विक मंचों पर शांति, सहयोग और विकास की बात करते हैं। यह अवसर है कि भारत इस नैतिक शक्ति का उपयोग करते हुए विश्व को एक नई दिशा प्रदान करे।

हथियारों की दौड़ का एक और बड़ा प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है। युद्ध और सैन्य गतिविधियां पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचाती हैं। विस्फोट, रासायनिक हथियार और भारी सैन्य मशीनरी प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट कर देती है। ऐसे समय में जब दुनिया पहले ही जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं से जूझ रही है, युद्ध की स्थिति इसे और गंभीर बना सकती है।

यदि वर्तमान स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो आने वाले वर्षों में दुनिया को कई संकटों का सामना करना पड़ सकता है। महंगाई, बेरोजगारी, ऊर्जा संकट और सामाजिक अस्थिरता जैसे मुद्दे और अधिक गहरे हो सकते हैं। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक ताने–बाने को भी प्रभावित करेगी। इसलिए अब समय आ गया है कि विश्व के सभी देश अपने संकीर्ण हितों से ऊपर उठकर व्यापक मानवता के हित में निर्णय लें। शक्ति का वास्तविक अर्थ केवल सैन्य बल नहीं, बल्कि आर्थिक विकास, वैज्ञानिक प्रगति और सामाजिक कल्याण में निहित है। जो देश अपने नागरिकों को बेहतर जीवन प्रदान करता है, वही वास्तव में शक्तिशाली होता है।

अंततः यह निर्णय दुनिया को ही लेना है कि उसे किस दिशा में जाना है–हथियारों और युद्ध की ओर या शांति और सहयोग की ओर। यदि मानवता को सुरक्षित और समृद्ध भविष्य चाहिए, तो उसे हथियारों की दौड़ को पीछे छोड़कर संवाद, सहयोग और सहअस्तित्व की राह अपनानी होगी। युद्ध का अंधेरा केवल विनाश लाता है, जबकि शांति का प्रकाश विकास, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता है। आज आवश्यकता है कि विश्व समुदाय इस सत्य को समझे और एक ऐसे भविष्य की ओर बढ़े, जहां हथियार नहीं, बल्कि मानवता की जीत हो।

विचार विण्डो

एआई की ताकत से बदलता वैश्विक शक्ति संतुलन

ललित गर्ग

आज की दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि भू–राजनीति (जियोपॉलिटिक्स) को पुनर्परिभाषित करने वाली निर्णायक शक्ति बन चुकी है। जिस प्रकार 20वीं सदी में परमाणु शक्ति और औद्योगिक क्षमता देशों की ताकत का पैमाना थी, उसी तरह 21वीं सदी में एआई, डेटा और कंप्यूटिंग पावर वैश्विक प्रभुत्व के नए आधार बन गए हैं। परिणामस्वरूप, दुनिया एक नई प्रकार की प्रतिस्पर्धा–"टेक्नोलॉजिकल जियोपॉलिटिक्स"–की ओर बढ़ रही है।

एआई ने वैश्विक शक्ति संतुलन को बदलने की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। आज अमेरिका और चीन के बीच प्रतिस्पर्धा केवल व्यापार या सैन्य ताकत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह चिप निर्माण, डेटा नियंत्रण और अक मॉडल्स के विकास तक फैल चुकी है। दोनों देश इस क्षेत्र में वर्चस्व स्थापित करने के लिए भारी निवेश कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें यह समझ आ गया है कि भविष्य की वैश्विक शक्ति का निर्धारण तकनीकी श्रेष्ठता से होगा।

एआई का सबसे बड़ा प्रभाव सैन्य और सुरक्षा क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक युद्ध की अवधारणा तेजी से बदल रही है। स्वायत्त ड्रोन, साइबर हमले, और एआई आधारित निगरानी प्रणाली युद्ध को अधिक सटीक और खतरनाक बना रही हैं। इससे पारंपरिक सैन्य शक्ति का महत्व कुछ हद तक कम हुआ है, जबकि तकनीकी क्षमता का महत्व बढ़ गया है। अब छोटे देश भी एआई के माध्यम से बड़ी शक्तियों को चुनौती देने की क्षमता हासिल कर सकते हैं, जिससे वैश्विक असंतुलन और जटिल हो रहा है। इसके साथ ही अक आर्थिक प्रतिस्पर्धा को भी नए रूप में ढाल रहा है। वैश्विक सप्लाई चेन अब केवल उत्पादन और व्यापार तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह डेटा और चिप्स पर निर्भर हो गई है। सेमीकंडक्टर निर्माण आज की सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक संपत्ति बन चुका है। यही कारण है कि देश अपनी "तकनीकी संप्रभुता" पर जोर दे रहे हैं। यह प्रवृत्ति वैश्विक सहयोग को सीमित कर सकती है और "टेक्नोलॉजी ब्लॉक्स" के निर्माण को बढ़ावा दे सकती है। इस परिदृश्य में भारत एक अलग और संतुलित रास्ता अपनाने

की कोशिश कर रहा है। भारत की रणनीति केवल तकनीकी प्रभुत्व हासिल करने की नहीं, बल्कि एआई को सामाजिक और समावेशी विकास का माध्यम बनाने की है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत एआई फॉर ऑल के दृष्टिकोण को आगे बढ़ा रहा है, जिसका उद्देश्य एआई को केवल बड़े उद्योगों तक सीमित न रखकर समाज के हर वर्ग तक पहुंचाना है। भारत की यह रणनीति उसे वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए एक मॉडल के रूप में स्थापित कर सकती है। जहां अमेरिका निजी क्षेत्र के नवाचार पर निर्भर है और चीन राज्य–नियंत्रित मॉडल पर काम कर रहा है, वहीं भारत डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के माध्यम से एक समावेशी और लोकतांत्रिक एआई मॉडल विकसित कर रहा है। यह दृष्टिकोण न केवल तकनीकी विकास को बढ़ावा देता है, बल्कि सामाजिक असमानताओं को कम करने में भी सहायक हो सकता है।

हालांकि, इस राह में चुनौतियां भी कम नहीं हैं। एआई के विकास के लिए विशाल मात्रा में डेटा, उच्च स्तरीय कंप्यूटिंग क्षमता और उन्नत चिप्स की आवश्यकता होती है। इन क्षेत्रों में भारत अभी भी कई विकसित देशों पर निर्भर है। डेटा गोपनीयता, साइबर सुरक्षा और नियमन जैसे मुद्दे भी गंभीर चिंताएं हैं। यदि इनका समाधान नहीं किया गया, तो आई का दुरुपयोग लोकतंत्र और सामाजिक स्थिरता के लिए खतरा बन सकता है। एआई का एक महत्वपूर्ण पहलू इसका राजनीतिक और सामाजिक प्रभाव भी है। चुनावों में डीपफेक, फेक न्यूज और लक्षित प्रचार के माध्यम से जनमत को प्रभावित करने की क्षमता बढ़ गई है। यह लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के लिए एक नई चुनौती है। इसके साथ ही, एआई आधारित निर्णय-प्रणालियां यदि पक्षपाती डेटा पर आधारित हों, तो वे सामाजिक असमानताओं को और बढ़ा सकती हैं। भविष्य में अक "डिजिटल सीमाओं" का निर्माण कर सकता है, जहां देश अपने डेटा और तकनीक को सुरक्षित रखने के लिए सीमाएं निर्धारित करेंगे। इससे वैश्विक इंटरनेट का स्वरूप भी बदल सकता है और "राष्ट्रीय एआई द्वीप" की अवधारणा उभर सकती है। यह स्थिति वैश्विक सहयोग को कमजोर कर सकती है, लेकिन साथ ही देशों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित भी करेगी। वैश्विक स्तर पर अक नए गठबंधन और संघर्षों को भी जन्म दे रहा है। जैसे पहले सैन्य और आर्थिक गठबंधन बनते थे, अब तकनीकी गठबंधन बन रहे हैं। देश उन साझेदारों के साथ जुड़ना चाहते हैं, जिनके पास उन्नत तकनीक और डेटा संसाधन हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय संबंधों का स्वरूप भी बदल रहा है। इस बदलते परिदृश्य में भारत के पास एक महत्वपूर्ण अवसर है। यदि भारत अपनी तकनीकी क्षमता को मजबूत करते हुए समावेशी विकास के मॉडल को सफल बनाता है, तो वह न केवल एक आर्थिक शक्ति बल्कि एक नैतिक और तकनीकी नेतृत्वकर्ता के रूप में भी उभर सकता है। इसके लिए आवश्यक है कि भारत अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास पर अधिक निवेश करे। अंततः, एआई जियोपॉलिटिक्स को केवल प्रतिस्पर्धा और संघर्ष की दिशा में ही नहीं ले जा रहा, बल्कि यह सहयोग और विकास के नए अवसर भी प्रदान कर रहा है। यह देशों पर निर्भर करता है कि वे एआई का उपयोग किस दिशा में करते हैं–वर्चस्व और नियंत्रण के लिए या सहयोग और मानव कल्याण के लिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि वैश्विक समुदाय एआई के विकास के लिए साझा नियम और नैतिक मानक स्थापित करे, ताकि इसका उपयोग मानवता के हित में किया जा सके। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो एआई की यह दौड़ भी हथियारों की दौड़ की तरह अस्थिरता और असुरक्षा को बढ़ा सकती है। इसलिए, एआई केवल तकनीकी परिवर्तन का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज को गहराई से प्रभावित करने वाला एक व्यापक परिवर्तन है। आने वाले समय में वही देश आगे बढ़ेगा, जो अक को संतुलित, जिम्मेदार और समावेशी तरीके से अपनाएगा।

ओलंपिक में ट्रांसजेंडर महिलाओं की एंट्री पर रोक

खेलों में निष्पक्षता बनाए रखने को लिया निर्णय

यूनिक समय, नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने एक बड़ा फैसला लेते हुए ट्रांसजेंडर महिलाओं और "डिफरेंसेज इन सेक्स डेवलपमेंट" (डीएसडी) एथलीटों को महिला कैटेगरी में हिस्सा लेने से रोकने की घोषणा की है। यह निर्णय खेलों में निष्पक्षता बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया है और इसके बाद खेल जगत में नई बहस छिड़ गई है।

आईओसी के अध्यक्ष किर्स्टी कोवेंट्री ने कहा कि जैविक रूप से पुरुष एथलीटों का महिला वर्ग में प्रतिस्पर्धा करना उचित नहीं माना जा सकता। इसी के साथ अब महिला कैटेगरी में भाग लेने वाली सभी एथलीटों के लिए रफ जीन स्क्रीनिंग अनिवार्य कर दी गई है। यह नियम केवल ट्रांसजेंडर एथलीटों पर ही नहीं, बल्कि सभी प्रतिभागियों पर लागू होगा। यह जांच लार, गाल के स्वैब या ब्लड सैंपल के जरिए की जाएगी, जिससे एथलीट के जैविक लिंग से जुड़े पहलुओं की पुष्टि की जा सके। आईओसी का मानना है कि इससे प्रतियोगिताओं में समानता और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। साथ ही, संगठन ने उम्मीद जताई है कि सभी अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघ, राष्ट्रीय ओलंपिक समितियां और अन्य संस्थाएं भी इस नीति को अपनाएंगी। दरअसल, 2024 पेरिस ओलंपिक के दौरान कुछ एथलीटों के उच्च टेस्टोस्टेरोन स्तर और क्रोमोसोम को लेकर विवाद खड़ा हुआ था। इसके बाद से ही इस विषय पर लगातार चर्चा हो रही थी और स्पष्ट नियमों की मांग की जा रही थी। हालांकि, इस फैसले ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है-जहां एक ओर इसे निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के लिए जरूरी बताया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर इसे समावेशिता के खिलाफ कदम भी माना जा रहा है। आने वाले समय में इस नीति पर वैश्विक स्तर पर और चर्चा होने की संभावना है।

राम चरण का नया अवतार 'पेड्डी पहलवान' में, रॉ लुक और दमदार बॉडी से चौंकाए फैंस

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुपरस्टार राम चरण ने अपने 40वें जन्मदिन के मौके पर फैंस को बड़ा सरप्राइज दिया। उनकी फिल्म 'पेड्डी पहलवान' की पहली झलक जारी की गई, जिसमें उनका नया और रॉ लुक देखने को मिला। अखाड़े की मिट्टी में सने राम चरण अपनी रिप्ड बॉडी और जबरदस्त फिजीक के साथ दुश्मनों को धूल चटाते नजर आए। इस टीजर में उनका लुक रस्टिक और मास अपील से भरपूर है। बैकग्राउंड में बजता ऊर्जावान 'पेड्डी' गाना उनके व्यक्तित्व में और गहराई जोड़ता है। मेकर्स ने उन्हें एक ऐसे किरदार के रूप में पेश किया है जो ताकत, भावना और अदम्य इच्छाशक्ति का प्रतीक है।

फिल्म की रिलीज अब 30 अप्रैल 2026 को होगी। पहले यह मार्च में रिलीज होने वाली थी, लेकिन मेकर्स ने तारीख बढ़ा दी। निर्देशक बुच्ची बाबू सना ने सोशल मीडिया पर तारीख साझा की और राम चरण ने भी नया पोस्टर जारी कर इसकी पुष्टि की। फैंस राम चरण के लुक और बॉडी की जमकर तारीफ कर रहे हैं। फिल्म में जान्हवी कपूर मुख्य भूमिका में हैं, जबकि शिवा राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु शर्मा जैसे दिग्गज कलाकार भी नजर आएंगे। विशेष रूप से शिवा राजकुमार का किरदार केवल कैमियो नहीं, बल्कि कहानी का अहम हिस्सा है। फिल्म के संगीत की कमान ऑस्कर विजेता एआर रहमान ने संभाली है। फिल्म का निर्माण वृद्धि सिनेमाज के बैनर तले वेंकट सतीश किलारु द्वारा मैत्री मूवी मेकर्स के सहयोग से किया जा रहा है। 'पेड्डी पहलवान' का यह पहला टीजर दर्शकों के बीच उत्साह और उम्मीदें बढ़ा रहा है, और फैंस अब बेसब्री से 30 अप्रैल को राम चरण के इस दमदार अवतार का मजा लेने के लिए तैयार हैं।

आईपीएल 2026: क्या विराट कोहली तोड़ेंगे अपना ही 973 रन का रिकॉर्ड?

यूनिक समय, नई दिल्ली। विराट कोहली का आईपीएल इतिहास में 2016 सीजन का 973 रन का रिकॉर्ड आज भी अटूट है। लेकिन इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से पहले जितेश शर्मा ने बड़ी भविष्यवाणी कर दी है। उनका मानना है कि इस बार खुद कोहली ही अपना यह रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं।

जितेश शर्मा के अनुसार, कोहली इस समय शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने बताया कि नेट्स में उनकी बल्लेबाजी बेहद प्रभावशाली दिख रही है और बैट से निकलने वाली आवाज उनके बेहतरीन टच का संकेत दे रही है। यही वजह है कि उन्हें इस सीजन ऑरेंज कैप का सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है। कोहली का हालिया प्रदर्शन भी इस भविष्यवाणी को मजबूत करता है। पिछले कुछ मैचों में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए कई शतक और अर्धशतक जड़े हैं। इससे उनका आत्मविश्वास काफी ऊंचा नजर आ रहा है। पिछले आईपीएल सीजन में भी उन्होंने 657 रन बनाकर अपनी टीम के लिए अहम योगदान दिया था। अब सभी की नजरें आईपीएल 2026 पर टिकी हैं, जहां आरसीबी अपने अभियान की शुरुआत सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ करेगी। देखना दिलचस्प होगा कि क्या कोहली इस बार इतिहास रच पाते हैं।

कैरोलिना मारिन ने बैडमिंटन को कहा अलविदा

यूनिक समय, नई दिल्ली। स्पेन की दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी कैरोलिना मारिन ने 26 मार्च 2026 को संन्यास का ऐलान कर दिया। 32 साल की मारिन ने चोट के कारण यह कठिन फैसला लिया। सोशल मीडिया पर साझा किए गए भावुक वीडियो में उन्होंने कहा कि अब वह अपने शरीर को और जोखिम में नहीं डालना चाहतीं। मारिन ने 2016 रियो ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचा था। उनका करियर भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधू के साथ शानदार प्रतिद्वंद्विता के लिए भी जाना जाता है। हालांकि वह यूरोपियन चैंपियनशिप में खेलेंगी नहीं, लेकिन हमेशा बैडमिंटन कम्युनिटी का हिस्सा बनी रहेंगी।

वेब सीरीज 'सोलमेट': जनरेशन जेड और मिलेनियल्स के लिए परफेक्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। हल्की-फुल्की और ट्रेवल वेब सीरीज देखने के शौकीनों के लिए 'सोलमेट' एक मस्ट–वॉच शो बन चुकी है। आईएमडीबी पर इसे 8.5 रेटिंग मिली है और पहले ही एपिसोड को 6 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। जनरेशन जेड और मिलेनियल्स दोनों इस सीरीज से रिलेट कर सकते हैं। यह यूट्यूब पर फ्री में उपलब्ध है और प्राइम वीडियो पर भी देखा जा सकता है।

कहानी शिलांग की खूबसूरत वादियों में शुरू होती है, जहां एक एस्पायरिंग कंपोजर अपनी खुद की खोज में जाता है। उसकी मुलाकात अपनी स्कूलमेट से होती है, जो घरवालों की परेशानियों के चलते अकेले बाइक रोड ट्रिप पर निकली होती है।

दोनों मिलकर अपनी यात्रा को आगे बढ़ाते हैं और रास्ते में कई मुश्किलों और ट्विस्ट का सामना करते हैं। इस बीच उनकी दोस्ती गहरी होती है और वे एक-दूसरे की जिंदगी के उलझे पन्नों को समझते हैं। लीड रोल में प्रियांशू पैन्यूली और फीमेल लीड में अंशुल चौहान हैं। जूम टीवी के बैनर तले बनी यह रोमांटिक ट्रेवल सीरीज नॉर्थ–ईस्ट की खूबसूरत वादियों और दोस्तों के बीच की मजबूत बॉन्डिंग को खूबसूरती से दिखाती है।

भारत–पाकिस्तान फुटबॉल सैफ अंडर–20 चैंपियनशिप

भारत ने पाकिस्तान को 3–0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत–पाकिस्तान फुटबॉल सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चिर–प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान नेशनल अंडर-20 फुटबॉल टीम को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। इस जीत के साथ ही भारत ने पाकिस्तान को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। मैच की शुरुआत से ही भारतीय टीम आक्रामक नजर आई। तीसरे ही मिनट में गुरनाज सिंह ने बेहतरीन पास दिया, जिसे विशाल यादव ने गोल में बदलकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। इस शुरुआती गोल ने टीम का मनोबल और मजबूत कर दिया। पहले हाफ में पाकिस्तान ने वापसी की कोशिश की और कई मौके बनाए, लेकिन भारतीय डिफेंस और गोलकीपर सूरज अहेइबाम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कोई गोल नहीं होने दिया। दूसरे हाफ में मैच पूरी तरह भारत के कब्जे में रहा। उमंग डोडम ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए दो गोल किए। 64वें मिनट में उन्होंने हेडर के जरिए गोल कर बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके बाद 88वें मिनट में पेनल्टी को शानदार तरीके से गोल में बदलकर स्कोर 3-0 कर दिया। उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें "प्लेयर ऑफ द मैच" भी चुना गया। इस जीत के बाद भारतीय टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है। अब भारत 28 मार्च को अपने अगले ग्रुप मैच में बांग्लादेश का सामना करेगा। अगर टीम इसी फॉर्म को जारी रखती है, तो खिताब जीतने की उम्मीद भी मजबूत हो सकती है।

रणबीर कपूर का अनदेखा अवतार 'रामायण' में, हनुमान जयंती पर होगा ग्रैंड रिवील

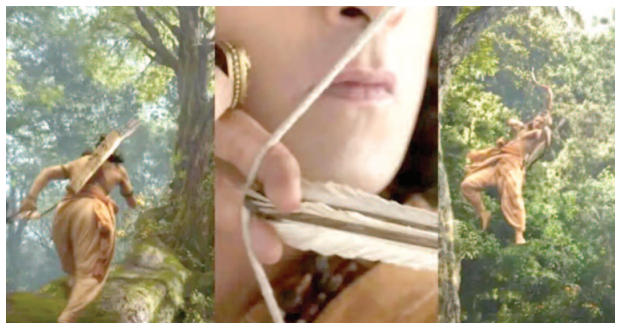

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड के सुपरस्टार रणबीर कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' 2026 इस साल दिवाली पर बड़े परदे पर रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म महाकाव्य रामायण को एक आधुनिक सिनेमाई स्पेक्ट्रकुलर के रूप में पेश करने वाली है। इसे नितेश तिवारी के निर्देशन में और नमित मल्होत्रा के प्रोडक्शन में बनाया जा रहा है। दो भागों में आने वाली यह फिल्म दुनिया भर के क्रिएटिव टैलेंट को साथ लेकर एक ऐतिहासिक सिनेमाई अनुभव देने की तैयारी में है। राम नवमी के शुभ अवसर पर फिल्म के मेकर्स ने फैंस के लिए एक खास अपडेट साझा किया। प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ने सोशल मीडिया पर लिखा कि अगले अपडेट और झलक में राम का अनावरण 2 अप्रैल, हनुमान जयंती पर होगा। यह केवल एक अनाउंसमेंट नहीं, बल्कि भगवान राम के नाम पर एक ग्लोबल फैन सेलिब्रेशन के रूप में पेश किया जाएगा। नमित ने बताया कि यह फिल्म पूरी जिम्मेदारी, श्रद्धा और समर्पण के साथ बनाई जा रही है, ताकि रामायण की वास्तविक भावना और भव्यता दर्शकों तक सही ढंग से पहुंच सके।

फिल्म की कहानी करीब 5000 साल पहले की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसमें पारंपरिक कथा को अत्याधुनिक तकनीक और इमर्सिव स्टोरीटेलिंग के साथ पेश किया जाएगा। रणबीर कपूर भगवान राम के किरदार में नजर आएंगे, जबकि साई पल्लवी सीता के रूप में, यॉकिंग स्टार यश दमदार रावण के रूप में, सनी देओल शक्तिशाली हनुमान के रूप में और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका निभाएंगे। फिल्म का फर्स्ट लुक पहले ही दुनियाभर में वायरल हो चुका है। भारत के कई शहरों में इसके लॉन्च के साथ–साथ टाइम्स स्क्वायर पर भी इसे प्रदर्शित किया गया, जिससे फिल्म की विशालता और महत्वाकांक्षा का अंदाजा लगाया जा सकता है। फिल्म के इस ग्रैंड लॉन्च और रिवील इवेंट को देखकर फैंस की उम्मीदें और उत्साह और बढ़ गया है। 'रामायण' 2026 सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि यह पीढ़ियों में एक बार आने वाला ग्लोबल सिनेमाई इवेंट बनने जा रही है। फिल्म के पहले पार्ट को दिवाली 2026 और दूसरे पार्ट को दिवाली 2027 में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म में पारंपरिक कथा, ग्लोबल स्तर की सिनेमाटोग्राफी और उन्नत तकनीक का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। रणबीर कपूर का अनदेखा अवतार और भव्य सेट डिजाइन दर्शकों को रोमांच और भावनात्मक गहराई दोनों का अनुभव कराएगा। फैंस अब बेसब्री से हनुमान जयंती के दिन 'राम' के इस ग्रैंड रिवील का इंतजार कर रहे हैं, जो फिल्म के प्रचार अभियान और उत्साह को चरम पर ले जाएगा। 'रामायण' पूरे विश्व में भारतीय पौराणिक कथा का गौरव और आधुनिक तकनीक का अद्भुत मेल साबित होने जा रही है।

मलाइका अरोड़ा ने सोराब बेदी संग डेटिंग अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने सोराब बेदी के साथ डेटिंग की अफवाहों पर खुलकर प्रतिक्रिया दी। 52 साल की मलाइका ने कर्ली टेल्स को बताया कि वे इन बातों को मजाक की तरह लेती हैं और अपने बेटे अरहान खान के साथ हंसती हैं। उन्होंने कहा कि प्यार की कोई प्लानिंग नहीं की जा सकती और अगर कुछ होना है तो वह होकर ही रहेगा। मलाइका ने अपने जीवन में नई चीज़ों को एक्सप्लोर करने और खुश रहने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "मैं अपनी शर्तों पर ही किसी के साथ रहूंगी।" पर्सनल लाइफ की बात करें तो मलाइका ने 1998 में अरबाज खान से शादी की थी और 2002 में बेटे अरहान का स्वागत किया। 2017 में तलाक के बाद उन्होंने अर्जुन कपूर को डेट किया था। अब मलाइका अपनी जिंदगी में स्वतंत्र और खुश हैं।

'भए प्रकट कृपाला दीनदयाला, कौसल्या हितकारी, हरषित महतारी मुनि मन हारी, अद्भुत रूप बिचारी'

राम जन्मोत्सव पर गूंजे जय श्रीराम के जयकारे

यूनिक समय, अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी पर अयोध्या पूरी तरह भक्ति और उत्साह में सराबोर नजर आई। सुबह से ही मंदिरों और गलियों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और "जय श्रीराम" के जयकारों से वातावरण गूंज उठा।

कनक भवन और हनुमानगढ़ी में भक्तों का उत्साह देखने लायक था। भक्ति गीतों और भजनों की धुन पर श्रद्धालु झूमते और नाचते नजर आए। "भए प्रकट कृपाला दीनदयाला" जैसे स्तुति गीतों से पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया।

रामलला के जन्म के शुभ क्षण पर एक अद्भुत दृश्य देखने को मिला। सुबह तक हल्की बारिश और ठंडक के कारण मौसम कुछ सख्त था, लेकिन दोपहर होते-होते आसमान साफ हो गया और तेज धूप खिल उठी। इस दौरान रामलला के ललाट पर सूर्य की किरणें पड़ीं, जिसे श्रद्धालुओं ने दिव्य अभिषेक के रूप में देखा।

कनक भवन और हनुमानगढ़ी में उमड़ी भक्तों की भीड़

भजन-कीर्तन से गूंजा पूरा रामनगरी का वातावरण

मौसम ने बदली करवट, जन्म क्षण पर निकली धूप

इस अद्भुत संयोग ने भक्तों की आस्था को और गहरा कर दिया। लोगों का मानना है कि यह भगवान राम की विशेष कृपा का संकेत है। मंदिरों में पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण का क्रम पूरे दिन चलता रहा। पूरी अयोध्या में भक्ति, श्रद्धा और उल्लास का अनोखा संगम देखने को मिला। हर गली, हर मंदिर और हर चेहरे पर रामभक्ति की झलक साफ नजर आई। रामनवमी के इस पावन अवसर ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि अयोध्या केवल एक शहर नहीं, बल्कि आस्था और विश्वास का जीवंत प्रतीक है।

रामनवमी पर पीएम मोदी ने किया वर्चुअल नमन

यूनिक समय, लखनऊ। श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में आयोजित सूर्य तिलक समारोह में वर्चुअल रूप से भाग लिया। शुक्रवार दोपहर 12 बजे रामलला के ललाट पर सूर्य की किरणों से तिलक हुआ, जो करीब चार मिनट तक चला और भगवान राम के जन्म क्षण का प्रतीक माना जाता है। प्रधानमंत्री ने हाथ जोड़कर नमन किया और देशवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने संदेश में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के आदर्शों-त्याग, तप और संयम-को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। इस दौरान अभिषेक, श्रृंगार और अन्य धार्मिक कार्यक्रमों का भी भव्य आयोजन हुआ।

रामनवमी पर सूर्य तिलक से जगमगाया राम मंदिर

यूनिक समय, अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में इस बार रामनवमी का पर्व अद्भुत आस्था और भव्यता के साथ मनाया जा रहा है। राम जन्मभूमि मंदिर में दोपहर ठीक 12 बजे एक दिव्य दृश्य देखने को मिला, जब सूर्य की किरणों ने रामलला के ललाट पर तिलक किया। यह सूर्य तिलक करीब चार मिनट तक बना रहा और इसे भगवान राम के जन्म क्षण से जोड़कर विशेष महत्व दिया गया।

पूरी अयोध्या इस दौरान "राममय" नजर आई। मंदिरों में भजन-कीर्तन, पूजन और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। देश-विदेश से आए भक्तों ने इस ऐतिहासिक क्षण को देखा और लाइव प्रसारण के माध्यम से करोड़ों लोगों ने भी इस दिव्य आयोजन का आनंद लिया।

इस बार रामनवमी पर रवि योग और सर्वार्थसिद्धि योग का विशेष संयोग बना, जिससे इस आयोजन की धार्मिक महत्ता और भी बढ़ गई। मंदिर परिसर में रामलला का अभिषेक, श्रृंगार और विशेष पूजन विधि-विधान से संपन्न किया गया।

श्रद्धालु पूरे उत्साह के साथ जय श्रीराम के जयकारे लगाते नजर आए। सूर्य तिलक को सफल बनाने के लिए मंदिर में अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया। ऊपरी तल पर विशेष रिफ्लेक्टर, लेंस और दर्पण लगाए गए, जिनकी मदद से सूर्य की किरणों को सटीक दिशा में केंद्रित किया गया। ये किरणें परावर्तित होकर लगभग 75 मिलीमीटर के आकार में रामलला के मस्तक पर तिलक के रूप में दिखाई दीं। इस आयोजन से पहले लगातार तीन दिनों तक इसका सफल ट्रायल भी किया गया था, ताकि मुख्य दिन पर कोई त्रुटि न हो। विशेषज्ञों की देखरेख में पूरी प्रक्रिया को सूर्य की गति और दिशा के अनुसार तय किया गया। रामनवमी के इस दिव्य अवसर पर अयोध्या की भव्यता और श्रद्धा ने एक बार फिर पूरे देश को भावविभोर कर दिया।

सनसनी: लाइसेंसी रिवॉल्वर से चिकित्सक ने खुद को मारी गोली, मौत

यूनिक समय, सीतापुर। सीतापुर जिले में शुक्रवार दोपहर एक दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहां एक वरिष्ठ चिकित्सक ने खुद को गोली मारकर जीवन समाप्त कर लिया। यह घटना शहर कोतवाली क्षेत्र के बट्सगंज मोहल्ले की है, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया।

मृतक की पहचान 69 वर्षीय चिकित्सक डॉ. राजेन्द्र चौधरी के रूप में हुई है, जो खैराबाद क्षेत्र में अपना निजी क्लीनिक चलाते थे। जानकारी के अनुसार, घटना के समय उनकी पत्नी घर पर ही मौजूद थीं। बताया जा रहा है कि डॉक्टर ने खुद को कमरे में बंद कर लिया और लाइसेंसी रिवॉल्वर से अपनी कनपटी पर गोली चला ली।

कुछ समय बाद जब कमरे से कोई हलचल नहीं हुई तो परिजनों को संदेह हुआ। दरवाजा खोलने पर डॉक्टर का शव बिस्तर पर पड़ा मिला। मौके पर खून के निशान और पास ही रिवॉल्वर भी पड़ी हुई थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटना के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है, लेकिन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं।

डॉ. चौधरी के दो पुत्र हैं, जो स्वयं भी चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। घटना की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद ही घटना के कारणों की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। फिलहाल, पूरे मामले की गहनता से जांच जारी है।

यूपी पुलिस भर्ती बोर्ड का बड़ा स्पष्टीकरण

सरनेम या टाइटल से नहीं तय होती जाति

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक जानकारी को लेकर महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण जारी किया है। बोर्ड ने साफ कहा है कि किसी भी अभ्यर्थी की जाति या श्रेणी का निर्धारण उसके सरनेम या टाइटल के आधार पर नहीं किया जाता है, बल्कि इसके लिए निर्धारित आधिकारिक प्रक्रिया अपनाई जाती है।

बोर्ड के अनुसार, हाल के दिनों में कुछ अभ्यर्थियों के नाम और उपनाम को लेकर सोशल मीडिया पर गलत टिप्पणियां और अफवाहें फैल रही थीं। इन अफवाहों को खारिज करते हुए बोर्ड ने स्पष्ट किया कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और नियमों के अनुरूप होती है। अभ्यर्थियों की जाति का सत्यापन सक्षम अधिकारियों द्वारा जारी किए गए जाति प्रमाण पत्रों के आधार पर किया जाता है। इसके लिए विशेष रूप से एक दस्तावेज सत्यापन (डीवी) बोर्ड का गठन किया जाता है, जिसमें उपजिलाधिकारी और पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारी शामिल होते हैं। यह बोर्ड अभ्यर्थियों के मूल प्रमाण पत्रों की गहन जांच करता है और पूरी तरह संतुष्ट होने के बाद ही उन्हें संबंधित श्रेणी में मान्यता दी जाती है।

इसके अलावा, अंतिम नियुक्ति से पहले संबंधित जिले के पुलिस अधीक्षक द्वारा भी अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का पुनः सत्यापन कराया जाता है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भर्ती में किसी प्रकार की त्रुटि या अनियमितता न हो।

बोर्ड ने यह भी कहा है कि यदि किसी व्यक्ति के पास किसी अभ्यर्थी की जाति से संबंधित कोई ठोस और प्रमाणिक जानकारी है, तो वह आधिकारिक ईमेल के माध्यम से शिकायत दर्ज करा सकता है। ऐसी शिकायतों की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। अंत में, बोर्ड ने लोगों से अपील की है कि वे बिना पुष्टि के किसी भी प्रकार की भ्रामक जानकारी न फैलाएं, क्योंकि यह कानूनी अपराध है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दर्दनाक हादसा: गंगा स्नान के दौरान चार बच्चे डूबे

यूनिक समय, प्रयागराज। प्रयागराज के मांडा थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक हृदयविदारक घटना सामने आई, जहां राम नवमी के अवसर पर गंगा में स्नान करने गए सात बच्चों में से चार बच्चे डूब गए। इस हादसे में दो बच्चों के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि दो अन्य की तलाश अब भी जारी है। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और अफरा-तफरी का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, बामपुर गांव के सात बच्चे सुबह करीब 10:30 बजे गंगा घाट पर स्नान करने पहुंचे थे। स्नान के दौरान अचानक वे गहरे पानी में चले गए और तेज धारा की चपेट में आ गए। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास

मौजूद मछुआरे तुरंत मौके पर पहुंचे और तीन बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, चार बच्चे तेज बहाव में बह गए। काफी मशक्कत के बाद स्थानीय गोताखोरों और ग्रामीणों की मदद से दो बच्चों के शव बरामद किए गए।

दो बच्चों के शव बरामद

दो बच्चों की तलाश में जुटी राहत टीमें

वहीं, दो अन्य बच्चों की तलाश लगातार जारी है। प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर मौजूद है और राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई है। इस घटना के बाद गांव में मातम छा गया है। मृतक बच्चों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि अन्य ग्रामीण भी गहरे सदमे में हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, गोताखोरों की मदद से नदी में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है और जल्द ही लापता बच्चों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि नदी में स्नान करते समय सतर्कता बरतें और बच्चों को अकेले गहरे पानी में जाने से रोकें, ताकि इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

सार संक्षेप

नेपाल में नई राजनीति का उदय: बालेंद्र शाह बने प्रधानमंत्री

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेपाल में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के नेता बालेंद्र शाह ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और देश के 47वें प्रधानमंत्री बने। हालिया संसदीय चुनावों में उनकी पार्टी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की, जिसमें उन्होंने झापा-5 सीट से पूर्व प्रधानमंत्री पी शर्मा ओली को हराया। बालेंद्र शाह शाह का राजनीतिक सफर 2022 में काठमांडू के मेयर के रूप में शुरू हुआ था। इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि और युवा नेतृत्व के साथ, अब नेपाल में विकास और नई सोच की राजनीति को गति मिलने की उम्मीद है।

महाराष्ट्र विधानसभा में नकली पास कांड पांच गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई में महाराष्ट्र विधानसभा सत्र के दौरान नकली एंट्री पास बनाने का खुलासा हुआ। मरीन ड्राइव पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनमें कुछ मंत्रालय के कर्मचारी भी शामिल हैं। आरोपी अवैध तरीके से विधानसभा में प्रवेश दिलाने के लिए फर्जी पास तैयार कर रहे थे। मामला राज्य सरकार में मंत्री उदय सामंत ने उठाया था। जांच जारी है और अन्य संदिग्धों की पहचान की कोशिश चल रही है।

भारत यूएस की भरोसेमंद पसंद, पाकिस्तान पर शक

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के पूर्व अधिकारी कर्नल डगलस मैकग्रेगर ने कहा कि पाकिस्तान वार्ता में भरोसेमंद नहीं है और इजराइल इसे तटस्थ नहीं मानेगा। उन्होंने भारत को मदद के लिए बेहतर स्थिति में बताया और प्रधानमंत्री मोदी के वैश्विक सम्मान और रूस व ईरान के नेताओं के साथ कामकाजी संबंधों का हवाला दिया। मैकग्रेगर ने कहा कि भारत हिंद महासागर और आसपास के क्षेत्रों में अधिक प्रभाव डालकर रणनीतिक लाभ हासिल कर सकता है, जबकि पाकिस्तान सभ्यता वाला देश नहीं माना जा सकता।

ट्रंप ने ईरान पर हमले रोके स्पीकर ने दी चेतावनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के एनर्जी प्लांटों पर हमलों को 10 दिन के लिए रोकने की घोषणा की। इसके बाद ईरान के स्पीकर मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने कहा कि ईरान को कोई अल्टीमेटम नहीं दे सकता। उन्होंने सैनिकों और जनता के बलिदानों की सराहना की। हालांकि, इजरायल की ओर से हमले जारी हैं और जंग में अब तक ईरान में कम से कम 1,937 लोग मारे जा चुके हैं। यह जंग 28 फरवरी से चल रही है।

इजराइल-ईरान जंग: तेहरान पर भीषण हमले

यूनिक समय, नई दिल्ली। इजराइल ने ईरान की राजधानी तेहरान पर बम बरसाए हैं, जबकि ईरान ने भी मिसाइलों से पलटवार किया। लेबनान और खाड़ी देशों में भी हमले जारी हैं। इस जंग में अब तक ईरान में 1,900 से अधिक, इजराइल में 18 और लेबनान में 1,100 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। अमेरिकी सैनिक भी इस क्षेत्र में तैनात हैं।

ईरान-अमेरिका टकराव के बीच बढ़ा युद्ध का खतरा

मिडिल ईस्ट में युद्ध का खतरा गहराया, सैन्य तैयारी तेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने युद्ध की आशंका को देखते हुए बड़े पैमाने पर सैन्य तैयारी तेज कर दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान ने करीब 10 लाख जमीनी सैनिक तैयार रखने का दावा किया है, ताकि संभावित हमले का जवाब दिया जा सके। वहीं अमेरिका भी क्षेत्र में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, अमेरिका अतिरिक्त 10,000 सैनिक मिडिल ईस्ट भेज सकता है, जिन्हें पहले से तैनात सैनिकों के साथ जोड़ा जाएगा। इसमें पैदल सेना, बख्तरबंद वाहन और विशेष बल शामिल हो सकते हैं। यह कदम क्षेत्र में बढ़ती अस्थिरता को देखते हुए उठाया जा रहा है।

दूसरी ओर, इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष और तेज हो गया है। इजराइल ने ईरान के मिसाइल और सैन्य ठिकानों पर हमले का दावा किया है, जबकि ईरान ने भी कड़ी प्रतिक्रिया की चेतावनी दी है। ईरान ने यहां तक कहा है कि जहां अमेरिकी सैनिक ठहरेंगे, वे स्थान भी निशाने पर आ सकते हैं। युद्ध के असर अब आम लोगों पर भी दिखने लगे हैं। ईरान के मुताबिक, अब तक करीब 1,900 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें छात्र और शिक्षक भी शामिल हैं।

वहीं लेबनान में हालात गंभीर होते जा रहे हैं, जहां लाखों लोग विस्थापित हो चुके हैं। वैश्विक स्तर पर भी इस संघर्ष का असर देखने को मिल रहा है। ईंधन की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है, जिससे कई देशों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह संघर्ष और बढ़ा, तो दुनिया को आर्थिक मंदी और ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है। कुल मिलाकर, मिडिल ईस्ट का यह तनाव अब वैश्विक चिंता का विषय बन चुका है, जहां हर पल हालात और गंभीर होते जा रहे हैं।

मोदी-धामी मुलाकात: केंद्र से राज्य के विकास को मिलेगी गति

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर उत्तराखंड के विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर धामी ने केंद्र सरकार के सहयोग के लिए आभार जताया और राज्य में आने का न्योता भी दिया।

मुलाकात में धामी ने हरिद्वार कुंभ-2027 के लिए आर्थिक सहायता, चारधाम यात्रा के सुचारू संचालन, रेल और सड़क परियोजनाओं के विस्तार और हवाई सेवाओं के विकास जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने ऋषिकेश तक रैपिड रेल विस्तार, दिल्ली-हल्द्वानी एक्सप्रेस-वे, और राज्य में रक्षा उत्पादन हब स्थापित करने का प्रस्ताव भी रखा।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने राज्य में पर्यटन, स्वरोजगार और ग्रामीण विकास से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने होम-स्टे योजना, आध्यात्मिक पर्यटन और "हाउस ऑफ हिमालयाज" जैसे प्रयासों के माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के उपायों को साझा किया।

मुलाकात को केंद्र-राज्य समन्वय और उत्तराखंड के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इससे राज्य में बुनियादी ढांचे, पर्यटन और आर्थिक अवसरों के विस्तार को तेजी मिलेगी। धामी ने प्रधानमंत्री को राज्य की योजनाओं और निवेश संभावनाओं से भी अवगत कराया, ताकि केंद्र-राज्य सहयोग और मजबूत हो और उत्तराखंड में सतत विकास सुनिश्चित किया जा सके।

हरिद्वार कुंभ-2027 और आर्थिक सहायता पर चर्चा

लॉकडाउन की अफवाहों पर सरकार सख्त

अफवाहों से बचें, सरकार बोली स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच देश में लॉकडाउन की अफवाहों को लेकर केंद्र सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि ऐसी कोई योजना नहीं है। किरण रिजिजू, निर्मला सीतारमण और हरदीप सिंह पुरी ने इन खबरों को पूरी तरह भ्रामक बताया है।

सरकार का कहना है कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। नरेन्द्र मोदी खुद हालात पर नजर बनाए हुए हैं और राज्यों के साथ लगातार समन्वय किया जा रहा है। किरण रिजिजू ने साफ कहा कि लॉकडाउन की खबरें अफवाह हैं और लोगों को पैनिक नहीं होना चाहिए। उन्होंने जमाखोरी करने वालों को भी चेतावनी दी और कहा कि सरकार हर स्तर पर निगरानी कर रही है ताकि आम जनता को किसी तरह की परेशानी न हो। वहीं, हरदीप सिंह पुरी ने भी लोगों से अपील की कि वे बेवजह डर का माहौल न बनाएं। उन्होंने कहा कि सरकार के स्तर पर लॉकडाउन लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी भरोसा दिलाया कि कोविड-19 जैसे हालात दोहराने की कोई स्थिति नहीं है और न ही वैसा लॉकडाउन लगेगा।

दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी के हालिया बयान के बाद यह भ्रम फैला, जिसमें उन्होंने वैश्विक हालात को चुनौतीपूर्ण बताते हुए तैयार रहने की बात कही थी। इस पर विपक्ष के नेताओं राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी प्रतिक्रिया दी थी। कुल मिलाकर, सरकार ने साफ कर दिया है कि देश में लॉकडाउन नहीं लगेगा और नागरिकों को अफवाहों से बचते हुए संयम बनाए रखना चाहिए।

नीतीश कुमार छोड़ेंगे विधान परिषद

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार की राजनीति से जुड़ी एक अहम खबर सामने आई है। मुख्यमंत्री 30 मार्च को बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा देंगे। यह कदम उन्होंने राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद संवैधानिक नियमों के तहत उठाने का फैसला किया है।

दरअसल, संविधान के अनुसार कोई भी व्यक्ति एक साथ दो सदनों का सदस्य नहीं रह सकता। नीतीश कुमार 16 मार्च को राज्यसभा के लिए चुने गए थे, जिसके बाद उन्हें 14 दिनों के भीतर एक पद छोड़ना अनिवार्य हो गया। इसी कारण वे 30 मार्च को अपना त्यागपत्र सौंपेंगे। बताया जा रहा है कि विधानसभा और परिषद में अवकाश के चलते वे 30 मार्च को औपचारिक रूप से सभापति को इस्तीफा देंगे। लंबे समय से बिहार की राजनीति में सक्रिय रहे नीतीश कुमार अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी भूमिका मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं।

भारत का एयर डिफेंस होगा सुपर स्ट्रॉन्ग

भारत और रूस के बीच 858 करोड़ रुपये की डील साइन

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत ने अपने एयर डिफेंस सिस्टम को और मजबूत करने के लिए रूस के साथ 858 करोड़ रुपये की डील साइन की है। इसके तहत भारतीय सेना को तुंगुस्का एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम मिलेगा। इससे पहले भारत के पास एस-400, बराक-8 और आकाश एयर डिफेंस सिस्टम मौजूद थे। तुंगुस्का मिसाइलें एयरक्राफ्ट, ड्रोन और क्रूज मिसाइल जैसी हवाई खतरों के खिलाफ देश की सुरक्षा को और मजबूत करेंगी।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, तुंगुस्का एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम की खरीद का कॉन्ट्रैक्ट 445 करोड़ रुपये में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में रूस की जेएससी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के साथ साइन किया गया। वहीं, इंडियन नेवी के लिए लॉन्ग-रेंज मैरीटाइम रिकॉनिसेंस एयरक्राफ्ट के इंस्पेक्शन (डिपो लेवल) के लिए 413 करोड़ रुपये का कॉन्ट्रैक्ट बोइंग इंडिया डिफेंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ साइन किया गया।

यह कॉन्ट्रैक्ट 'बाय इंडियन' कैटेगरी के तहत है और देश में टफड (मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल) फैसिलिटी को मजबूत करेगा। भारत ने 2018 में रूस से एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम के लिए पांच स्क्वॉड्रन खरीदे थे। इनमें से तीन स्क्वॉड्रन भारत को मिल चुके हैं। रूस ने अब कहा है कि इस साल के अंत तक बाकी दो स्क्वॉड्रन की डिलीवरी भी पूरी कर दी जाएगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का अहम फैसला

बालिगों के लिव-इन संबंध अपराध नहीं, गिरफ्तारी पर रोक

यूनिक समय, नई दिल्ली। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में स्पष्ट किया है कि यदि कोई शादीशुदा पुरुष किसी बालिग महिला के साथ उसकी पूर्ण सहमति से लिव-इन में रह रहा है, तो इसे आपराधिक कृत्य नहीं माना जा सकता। अदालत ने कहा कि कानून और सामाजिक नैतिकता दो अलग विषय हैं, और केवल सामाजिक मान्यताओं के आधार पर किसी व्यक्ति पर आपराधिक कार्रवाई नहीं की जा सकती।

यह निर्णय जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस तरुण सक्सेना की डिवीजन बेंच ने शाहजहांपुर के एक मामले की सुनवाई के दौरान दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता जोड़े की गिरफ्तारी पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी और पुलिस को निर्देश दिया कि उन्हें किसी भी तरह से गिरफ्तार न किया जाए। साथ ही महिला के परिवार को भी किसी प्रकार की धमकी या हस्तक्षेप से दूर रहने की चेतावनी दी गई।

मामले में सामने आया कि महिला बालिग है और अपनी मर्जी से संबंध में रह रही है, जबकि परिवार ने इसे लेकर एफआईआर दर्ज कराई थी। अदालत ने यह भी कहा कि बालिग व्यक्तियों के बीच सहमति से बने संबंधों में पुलिस को संवेदनशीलता के साथ कार्य करना चाहिए। कोर्ट ने पुलिस अधीक्षक को सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी और अगली सुनवाई की तारीख आठ अप्रैल तय की है।

ममता बनर्जी पर चंद्रशेखर बावनकुले का पलटवार

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले सियासी हलचल बढ़ती जा रही है। महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह कौरवों की राजनीति करती हैं। बावनकुले ने कहा, "हमारे 5 पांडव चुनाव जीतने के लिए काफी हैं, कौरवों की फौज ममता के पास है।" उन्होंने ममता पर बूथ कैप्चर की राजनीति करने का आरोप लगाया और बताया कि महाराष्ट्र बीजेपी के नेता बंगाल चुनाव प्रचार में मदद करेंगे। साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कम किए जाने की सराहना की और गरीब-मध्यम वर्ग के लिए इसे अहम कदम बताया।

राम नवमी पर मथुरा में आस्था का ज्वार

श्रीराम शोभायात्राओं से गूंजा नगर

श्री राम जन्म उत्सव समिति की शोभ यात्रा में पदाधिकारी व संत।

श्री रामलीला सभा की शोभायात्रा में शामिल पदाधिकारी।

घीया मंडी से चित्रकूट तक उमड़ा जनसैलाब

प्रमुख जनप्रतिनिधि व गणमान्य लोग रहे उपस्थित

यूनिक समय, मथुरा। राम नवमी के पावन पर्व पर श्रीकृष्ण नगरी में आस्था, उल्लास और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। घीया मंडी स्थित प्राचीन राम मंदिर से लेकर चित्रकूट तक निकली भव्य श्रीराम शोभायात्राओं में हजारों श्रद्धालु उमड़े। "जय श्रीराम" के गगनभेदी जयघोष, मनमोहक झांकियों और पुष्पवर्षा के बीच पूरा शहर राममय हो गया। श्रीराम जन्म महोत्सव समिति के तत्वावधान में घीया मंडी स्थित प्राचीन राम मंदिर से शोभायात्रा का शुभारंभ मोहिनी शरण महाराज, रामदास आचार्य, मेला संयोजक कन्हैया लाल अग्रवाल, अध्यक्ष राजेंद्र बंसल भगत, भागवत आचार्य रमाकांत गोस्वामी व केशव पंडा ने विधिवत दीप प्रज्वलित कर किया। शोभायात्रा में विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल की आकर्षक झांकियां विशेष आकर्षण रहीं। सबसे आगे श्री गणेश, मां चामुंडा, भगवान शिव, हनुमानजी और भव्य राम डोला की झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। डांडिया पार्टी व डीजे पर गूंजते भक्ति गीतों के साथ राम भक्त झूम उठे। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा व आरती कर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक श्रीकांत शर्मा, महापौर विनोद अग्रवाल, भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर, राजू यादव, योगेश आवा, योगेंद्र चतुर्वेदी, श्याम शर्मा, मनु ऋषि त्रिवेदी, हेमंत चतुर्वेदी, रामदास चतुर्वेदी, रमन लाल शर्मा, राहुल दुबे, निखिल वार्ष्णेय, डॉ. जमुना शर्मा, रुचि द्विवेदी, रेनू उपाध्याय, अमित भारद्वाज, वत्सल भाटिया, आशीष शर्मा, देवेंद्र शर्मा, डॉ. अशोक अग्रवाल, यश तिवारी, मनोज अग्रवाल, डॉ. संजय गुप्ता, नितिन चौधरी,आरके पांडे, चेतन स्वरूप पाराशर, विकास वार्ष्णेय सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। वहीं श्रीरामलीला सभा के तत्वावधान में चित्रकूट परिसर में भी श्रीराम जन्मोत्सव पूरे भक्तिभाव के साथ मनाया गया। मध्यान्ह बेला में अनिल स्वामी के निर्देशन में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच प्रभु श्रीराम दरबार का भव्य पंचामृत महाभिषेक किया गया। इसके पश्चात श्रृंगार दर्शन व आरती में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सायंकाल चित्रकूट से निकली भव्य शोभायात्रा मसानी, कच्ची सड़क, गुड़हाई बाजार, चौक बाजार, स्वामी घाट, छत्ता बाजार, होली गेट व कोतवाली रोड से होती हुई भरतपुर गेट स्थित अग्रवाल अतिथि भवन पर सम्पन्न हुई। शोभायात्रा में धर्म ध्वजा, गणेशजी, यमुनाजी, पंचमुखी हनुमान, काली अखाड़ा, बांके बिहारीजी व श्रीराम की सजीव झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। रजत महलरूपी रथ में विराजमान प्रभु श्रीराम भक्तों को दर्शन देते रहे। जगह-जगह व्यापारिक, सामाजिक व धार्मिक संगठनों ने पुष्पवर्षा व आरती कर स्वागत किया। जय श्रीराम के जयघोष से पूरा नगर गूंज उठा। इस शोभायात्रा में गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी, रविकांत गर्ग, सभापति जयंती प्रसाद अग्रवाल, उपसभापति जुगल किशोर अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, महामंत्री मूलचंद गर्ग, मंत्री प्रदीप सराफ, अजय मास्टर, विनोद सराफ, सुरेन्द्र शर्मा खोना, हेमंत अग्रवाल, अजयकांत गर्ग, कृष्णमुरारी नेताजी, प्रदीप गोस्वामी, योगेश गोयल, शैलू हकीम, चिंताहरण चतुर्वेदी, अमित भारद्वाज, गौरव अग्रवाल, कुलदीप अग्रवाल, विष्णुदास अग्रवाल सहित सभा के अनेक पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

नरी सेमरी माता मंदिर में यदुवंशी जादौन समाज की लट्ठ पूजा

लट्ठ पूजा करते यदुवंशी समाज के लोग।

यूनिक समय, मथुरा। छाता क्षेत्र स्थित नरी सेमरी माता रानी मंदिर में यदुवंशी जादौन समाज द्वारा पारंपरिक 'लट्ठ पूजा' का भव्य आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर नरी, सांखी, अलवाई, रहेड़ा सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में समाज के लोग एकत्रित हुए। घोड़ा-घोड़ी, बाजे-गाजे, लाठी, बल्लम और ध्वज के साथ निकले जुलूस ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। युवाओं और बुजुर्गों ने मिलकर परंपरागत विधि से लट्ठ पूजा की रस्म निभाई। इस दौरान 'जय यदुवंश' और 'माता रानी की जय' के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा। समाज के प्रमुख लोगों ने बताया कि यह पूजा उनकी प्राचीन परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो वीरता, एकता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था हेतु पुलिस बल भी तैनात रहा। इस मौके पर मुरारी प्रधान, भारती, गंगा मास्टर, नथोल, यशपाल मास्टर, अजय सिंह यदुवंशी, कंजर प्रधान, प्रताप सिंह, रामहंस, अशोक, प्रकाश, नरेंद्र, मानवेंद्र, प्रमोद, अमित, ऊधम, खेम सिंह, राधावल्लभ, भगत सिंह सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नवरात्रि पर शतचंडी पाठ एवं महायज्ञ का भव्य आयोजन

श्रीदेवी असहाय सेवा संस्थान के तत्वावधान में कन्या लांगुरा को भोज के दौरान बच्चे।

यूनिक समय, मथुरा। श्रीदेवी असहाय सेवा संस्थान के तत्वावधान में सरस्वती कुंड के निकट स्थित माँ दुर्गा मंदिर में नवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में शतचंडी पाठ का भव्य आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और भक्ति भाव से पूजा-अर्चना की। दुर्गा नवमी एवं राम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर परम पूज्य स्वामी महेशानंद सरस्वती (वृन्दावन) के सानिध्य में शतचंडी महायज्ञ का हवन संपन्न हुआ, जिसमें भक्तों ने पूर्ण आहुति देकर पुण्य लाभ अर्जित किया। इसके पश्चात पुजारी द्वारा देवी माँ की महाआरती की गई। महाआरती के बाद कन्याओं एवं लांगुरिया का पूजन कर लगभग 350 बच्चों को प्रसाद वितरित कर उपहार भेंट किए गए। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं द्वारा भजन-कीर्तन प्रस्तुत किया गया, जिसमें "बड़ा प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी" सहित अनेक भजनों पर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। इस अवसर पर सचिव सुरेश कुशवाह, अध्यक्षा उषा कुशवाह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

दो लोगों की अलग-अलग ट्रेनों की चपेट में आकर हुई मौत

शवों की पहचान में जुटी जीआरपी

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा-दिल्ली ट्रेन के रूट पर अलग अलग स्थानों पर ट्रेनों की चपेट में आने से दो अज्ञात लोगों की मौत हो गई। काफी प्रयास के बाद भी जीआरपी को उनकी शिनाख्त में सफलता नहीं मिली। वृंदावन रोड स्टेशन यार्ड में किलो मीटर संख्या 1406/18 के पास शुक्रवार को अम्बिकापुर हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस की चपेट में आकर 65 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई। इसकी सूचना ट्रेन के ड्राइवर ने रेलवे कंट्रोल को दी। रेलवे कंट्रोल की सूचना पर जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र सिंह ने उप निरीक्षक को मौके पर भेजा। मृतक ने पीले रंग के कपड़े पहने हुए थे। तलाशी में मृतक के पास से कोई ऐसी वस्तु नहीं मिली जिससे उसकी पहचान संभव हो पाती। वहीं मथुरा दिल्ली रूट पर किलो मीटर संख्या 1498/10 के निकट ट्रेन संख्या 12471 बांद्रा टर्मिनस ट्रेन से कटकर का 40 वर्षीय युवक की मौत हो गई। कंट्रोल की सूचना पर उप निरिक्षक नरेंद्र सिंह, हैड कांस्टेबल जितेंद्र व कांस्टेबल मनीष मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मृतक की पहचान के लिए आस पास के लोगों से जानकारी की। मृतक के पास से तलाशी में ऐसी कोई वस्तु नहीं मिली जिससे उसकी पहचान संभव हो पाती। जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र सिंह ने बताया कि अलग अलग स्थानों पर ट्रेनों से कटकर वृद्ध व युवक की मौत हो गई। दोनों शवों की पहचान नहीं हो सकी। शवों का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम गृह भेज दिया गया है। इसके साथ ही शवों की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

शहीद अग्निवीर आदेश कुमार को सैन्य सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई

यूनिक समय, सुरीर/नौहझील (मथुरा)। सीमा पर तैनात अग्निवीर आदेश कुमार की क्रॉस फायरिंग में हुई शहादत से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। शुक्रवार को उनका पार्थिव शरीर गांव चांदपुर कलां पहुंचा, जहां सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति में नम आंखों से शहीद को अंतिम विदाई दी गई। आदेश कुमार अक्टूबर 2024 में अग्निवीर योजना के तहत सेना में भर्ती हुए थे। मंगलवार देर रात सीमा पर हुई गोलीबारी में उन्हें गोली लग गई, जिससे वे वीरगति को प्राप्त हो गए। शहादत की खबर मिलते ही परिवार सहित पूरे क्षेत्र में गम का माहौल छा गया। शहीद के पिता विजय कुमार सेना से हवलदार पद से सेवानिवृत्त हैं और वर्तमान में हरियाणा पुलिस में कार्यरत हैं, जबकि बड़े भाई विशाल भी सेना में हैं। अंतिम संस्कार के दौरान विधायक राजेश चौधरी, एमएलसी योगेश नोहवार एवं पूर्व मंत्री श्याम सुंदर शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

तिरंगे में लिपटा शहीद अग्निवीर आदेश कुमार का शव।

तीन माह से जलभराव की मार झेल रही कोसीकलां अनाज मंडी

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर की अनाज मंडी पिछले तीन महीनों से जलभराव की गंभीर समस्या से जूझ रही है। मंडी परिसर में जगह-जगह पानी भरा होने के कारण किसानों और व्यापारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गेहूं खरीद सीजन शुरू होते ही यह समस्या और विकराल हो गई है। इन दिनों गेहूं की आवक बढ़ रही है, लेकिन पानी भरे रास्तों के कारण किसानों को अपनी उपज मंडी तक लाने और उतारने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि कीचड़ और पानी के चलते ट्रैक्टर-ट्रॉली फंस जाती हैं, जिससे समय और श्रम दोनों की हानि हो रही है। साथ ही अनाज के भीगने का खतरा बना हुआ है। आढ़तियों ने भी मंडी प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई है। स्थानीय व्यापारियों ने मंडी सचिव पर समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि बार-बार अवगत कराने के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। वहीं मंडी सचिव ने बताया कि जलभराव की समस्या के समाधान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और एक-दो दिन में जलनिकासी व्यवस्था को दुरुस्त कर दिया जाएगा। किसान नरेश कुमार, देवदत्त शर्मा, देवीचरण और राजबीर ने प्रशासन से मांग की है कि गेहूं खरीद सीजन को देखते हुए तत्काल स्थायी समाधान कराया जाए।

डेयरी संचालकों के खिलाफ युवक की हत्या का मुकदमा दर्ज

डेयरी पर काम करने वाला युवक दूसरी डेयरी पर चला गया था

रंजिश में रात में हत्या कर फांसी पर लटकाया

यूनिक समय, कोसीकलां। कोसीकलां के राठौरनगर में डेयरी पर काम करने वाले एक युवक को दूसरी डेरी के लोगों ने मारकर फांसी पर लटका दिया। कोसीकलां पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज नहीं की। एसएसपी के आदेश पर तीन लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। राठौर नगर कोसीकलां निवासी अहसान ने पुलिस में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में कहा है कि उसका पुत्र अरमान(22) राठौरनगर में पहले कासिम की डेयरी पर काम करता था। उसने कुछ समय बाद कासिम की डेयरी के सामने असलम की डेयरी पर काम करना शुरू कर दिया। काम छोड़ने से कासिम और उसके परिवार के लोग अरमान से रंजिश मानने लगे। 3 मार्च 2026 को अरमान रात करीब दस बजे असलम की डेयरी पर सोने के लिए जा रहा था। इसी दौरान कासिम अपने भाई नाजिम एंव इमलाक के साथ पहले से घात लगाकर बैठे थे इन लोगों ने अरमान को जान से मारने के लिए खींच कर अपनी डेयरी में ले गए। शोर सुनकर कुछ लोग वहां आ गए। वहां से गुजर रहे कम्मू नेता और सद्दाम ने देखने के बाद अरमान के घर वालों को सूचना दी। परिवार के लोग जैसे ही वहां पहुंचे तो वहां अरमान रस्सी के फंदे से बास पर लटका हुआ था। अरमान को नीचे उतारने के बाद पुलिस को सूचना दी और पुलिस ने उसे सरकारी हॉस्पिटल में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने अरमान के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसके बाद भी पुलिस ने इन लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज नहीं किया। काफी परेशानी के बाद एसएसपी के आदेश पर थाना कोसीकलां में तीन लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज हो सका।